हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

# मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 01 | अंक - 332 | बेमेतरा, शनिवार 19 जुलाई 2025 | रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित | कुल पेज - 8 | मूल्य - 5 रूपये

## संक्षिप्त समाचार

### वाराणसी में गंगा का रौद्र रूप : घाट जलमग्न, प्रशासन ने लोगों को किया सचेत

**वाराणसी।** उत्तर भारत में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश का असर अब मैदानी इलाकों में साफ दिखाई दे रहा है। धार्मिक नगरी काशी में मां गंगा उफान पर हैं, जिसके चलते वाराणसी के प्रसिद्ध 84 घाटों में पानी भर गया है। कई घाट पूरी तरह जलमग्न हो चुके हैं, और घाटों के किनारे बने मंदिरों में भी पानी घुस गया है। खास तौर पर अस्सी घाट, जो पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा है, पूरी तरह डूब चुका है। यहां हर सुबह होने वाला सुबहे बनारस का मंच भी गंगा की लहरों में समा गया है। स्थानीय प्रशासन ने गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए लोगों को गहरे पानी में न जाने की चेतावनी दी है। घाटों पर लगातार मुनादी की जा रही है और छोटी-बड़ी सभी नौकाओं के संचालन पर रोक लगा दी गई है।

### आरोपी को नहीं पता था उसने फौजा सिंह को टक्कर मारी

**जालंधर।** 114 वर्षीय प्रसिद्ध धावक फौजा सिंह से जुड़े हिट एंड रन मामले में आरोपी की गिरफ्तारी के बाद जालंधर पुलिस ने अहम खुलासे किए हैं। जांच में सामने आया है कि आरोपी को फौजा सिंह के बारे में कुछ नहीं पता था। आरोपी हादसे के कारण डर गया और घटनास्थल से गाड़ी लेकर भागा।

चैतन्य बघेल अरेस्ट ईडी ने किया कोर्ट में पेश

# कोर्ट ने 5 दिनों की रिमांड पर चैतन्य को ईडी को सौंपा

भिलाई/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के शराब घोटाला मामले में ईडी की टीम ने आज पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के भिलाई स्थित निवास में छापा मारा. ईडी ने चैतन्य बघेल को गिरफ्तार कर विशेष कोर्ट में पेश किया जहां से उन्हें 5 दिन की रिमांड पर भेज दिया गया है. इस कार्रवाई के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ईडी का पुतला दहन किया. इस दौरान कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झूमाझटकी हुई. प्रवर्तन निदेशालय द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी के बाद छत्तीसगढ़ की राजनीति एक बार फिर गरमा गई है। कांग्रेस ने इस कार्रवाई को राजनीतिक प्रतिशोध करार देते हुए केंद्र सरकार और ईडी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। वहीं पार्टी ने ऐलान किया है कि 19 जुलाई को पूरे प्रदेशभर में ईडी के खिलाफ प्रदर्शन और पुतला दहन किया जाएगा। प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से इस संबंध में सभी जिलों को निर्देश भेजा गया है। जिसमें सभी जिला मुख्यालयों में पुतला दहन और विरोध प्रदर्शन के निर्देश दिए गए हैं। इस प्रदर्शन में कांग्रेस के सांसद, विधायक, पार्षद, पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल होंगे। इस मामले पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसी ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निवास पर जिस तरह से छापा मारा, वह पूरी तरह से बदले की राजनीति का हिस्सा है। उन्होंने आरोप लगाया कि बघेल के परिवार को डराने और धमकाने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता अब इस सरकार से बुरी तरह त्रस्त हो

चुकी है। यही वजह है कि कभी केंद्रीय मंत्रियों के काफिले को रोका जा रहा है, तो कभी उपमुख्यमंत्री की गाड़ियों को। सत्ता पक्ष के सांसदों तक को अब जनता का सामना करने में मुश्किल हो रही है। सरकार डराने की कोशिश कर रही है। यह छत्तीसगढ़ की जनता को भी मंजूर नहीं है। दीपक बैज ने साफकिया कि यह कार्रवाई लोकतंत्र के खिलाफ है और कांग्रेस इसका जोरदार विरोध करेगी। उन्होंने ऐलान किया कि 19 जुलाई, शनिवार को छत्तीसगढ़ के सभी ज़िलों में ईडी के खिलाफ प्रदर्शन और पुतला दहन किया जाएगा। कांग्रेस ने ईडी की कार्रवाई को सत्ता का दुरुपयोग बताया है और आगामी 19 जुलाई को पूरे प्रदेश में विरोध प्रदर्शन की तैयारी में जुट गई है। आज सुबह 6 बजे ईडी की टीम ने भिलाई स्थित भूपेश बघेल के आवास पर छापा मारा। यह छापा शराब घोटाले से जुड़ा बताया जा रहा है। करीब 8 अधिकारियों की टीम दो गाड़ियों में पहुंची और इस दौरान छानबीन के बाद भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को उनके जन्मदिन के दिन गिरफ्तार कर रायपुर की न्यायधीश डमरूधर चौहान विशेष कोर्ट में पेश किया गया। मामले में सुनवाई के बाद कोर्ट ने चैतन्य बघेल को 5 दिन की ईडी रिमांड पर भेजा है, जहां उनसे शराब घोटाले में पूछताछ की जाएगी। अब चैतन्य बघेल को श्वष्ठ की टीम 22 जुलाई को शाम 4 बजे विशेष कोर्ट में पेश करेगी।

### पूर्व सीएम बघेल बोले-तोहफे के लिए धन्यवाद, ताउम्र याद रहेगा

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को प्रवर्तन निदेशालय ने कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया है। इसके बाद ईडी ने चैतन्य बघेल को रायपुर कोर्ट में पेश किया है। गिरफ्तारी के बाद कांग्रेस के सभी विधायक नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत, भूपेश बघेल रायपुर जिला कोर्ट पहुंच रहे है। बता दें आज छत्तीसगढ़ विधानसभा सत्र का आखिरी दिन था। सत्र के बीच में ही ईडी की कार्रवाई को लेकर विपक्ष ने विधानसभा से वॉकआउट किया। आज सुबह ही पूर्व सीएम के भिलाई आवास पर ईडी का छापा पड़ा था।

भुवनेश्वर के निजी इंजीनियरिंग कॉलेज में आग

## लगभग 60 से अधिक लोगों को बचाया गया

**भुवनेश्वर।** ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर स्थित एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज में शुक्रवार को आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि घटना के दौरान कॉलेज परिसर में मौजूद छात्रों सहित 60 से अधिक लोगों को दमकल किर्मयों ने सुरक्षित बाहर निकाला। यह घटना शहर के जगमारा क्षेत्र में स्थित कॉलेज में प्रशिक्षण सत्र के दौरान घटी। अग्निशमन दलों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बहुमंजिला इमारत में फंसे लोगों को बाहर निकाला। अग्निशमन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी रमेश चंद्र माझी ने कहा, हमने लगभग 60 लोगों को बचाया और उन्हें पास के अस्पताल में भेजा है। उन्होंने कहा, आग लगने का सही कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है।एक अन्य अधिकारी ने बताया कि प्रभावित लोगों को 10 एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया गया।

अनंतनाग ज़िले में अमरनाथ यात्रा मार्ग पर सुरक्षाकर्मी तैनात हैं। जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी के बाद गुरुवार को जम्मू से अमरनाथ यात्रा स्थगित कर दी गई।

रूसी महिला और बेटे का अब तक कोई सुराग नहीं

## केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को बताया जारी हुआ लुकआउट नोटिस...

**नई दिल्ली।** दिल्ली में एक रूसी महिला द्वारा अपने चार साल के बेटे को लेकर लापता होने के मामले में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया है कि महिला ने देश को किसी वैध रास्ते से नहीं छोड़ा है, लेकिन अब तक उसका कोई सुराग नहीं लग सका है। यह मामला एक भारतीय पिता और रूसी मां के बीच बच्चे की कस्टडी को लेकर चल रहे विवाद से जुड़ा है। केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस की ओर से पेश हुई अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि गृह मंत्रालय ने पूरे देश के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को महिला को ढूंढने के लिए लुकआउट नोटिस और ह्यू एंड क्राय नोटिस जारी किए हैं। महिला और बच्चा अभी भी लापता हैं और उन्हें ढूंढने के प्रयास जारी हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और उनकी पीठ ने सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया कि वे दिल्ली-एनसीआर के सभी रेलवे स्टेशनों और सार्वजनिक परिवहन व्यवस्थाओं से संपर्क कर महिला की संभावित आवाजाही की जांच करें।

# पुजारीकांकेर में आयोजित सिविक एक्शन में ग्रामीणों को रेडियो और घरेलू सामग्री वितरित

## सीआरपीएफकी 196वीं बटालियन ने मनाया स्थापना दिवस

**बीजापुर /मूक पत्रिका**

सीआरपीएफ की 196वीं बटालियन ने शुक्रवार को अपना 18वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास और सेवा कार्यों के साथ मनाया। इस अवसर पर बटालियन मुख्यालय महादेव घाटी बीजापुर में आयोजित कार्यक्रम में शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई और सैनिक सम्मेलन, खेलकूद प्रतियोगिताएं तथा वृक्षारोपण जैसे आयोजन किए गए।कमांडेंट कुमार मनीष, द्वितीय कमान अधिकारी गोपाल सिंह बुनकर तथा चिकित्सा अधिकारी डॉ. शुभम नितिन पंवार सहित बटालियन के अन्य अधिकारी-कर्मचारी इस अवसर पर उपस्थित रहे। जवानों ने शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर वीरगति को प्राप्त साथियों को याद किया। स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 196वीं बटालियन द्वारा बीजापुर जिले के नक्सल प्रभावित ग्राम पुजारीकांकेर में सिविक एक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रेडियो और

आवश्यक घरेलू सामग्री का वितरण किया गया, ताकि ग्रामीणजन रेडियो के माध्यम से देश-दुनिया की खबरों और शासन की योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकें। इस आयोजन में द्वितीय कमान अधिकारी दिनेश, सहायक कमांडेंट हरीश कुमार सिंह (जी/196) और प्रेमजीत सिंह (डी/196) सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। आसपास के ग्राम तमिलभट्ठी, कस्तूरीपाड़, चिन्नाउतलापल्ली से बड़ी संख्या में ग्रामीण इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

**छात्रों के साथ वृक्षारोपण और निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा**-कार्यक्रम के अंतर्गत सरकारी प्राथमिक विद्यालय पुजारीकांकेर के बच्चों और शिक्षकों के साथ सामूहिक वृक्षारोपण किया गया। इसके अलावा वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. किरण राज के नेतृत्व में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें आवश्यक दवाएं वितरित की गईं।

**नक्सलगढ़ पूजारीकांकेर बन रहा है विकास का केंद्र**-गौरतलब है कि पुजारीकांकेर क्षेत्र कभी नक्सलियों का गढ़ माना जाता था, जहां उनकी लगातार उपस्थिति दर्ज की जाती रही है। लेकिन सीआरपीएफ कैम्प की स्थापना के बाद से स्थिति में बड़ा बदलाव आया है। सुरक्षाबलों ने ग्रामीणों से संवाद कर यह भरोसा दिलाया है कि उनकी तैनाती केवल सुरक्षा ही नहीं, विकास और सहयोग के लिए है।

**ग्रामीणों को बताया गया योजनाओं का लाभ**-कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने ग्रामीणों को केंद्र सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी और उन्हें योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। 196वीं बटालियन द्वारा आयोजित यह आयोजन यह साबित करता है कि सुरक्षा बल केवल शांति स्थापना तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे समाज के हर वर्ग के जीवन को बेहतर बनाने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रहे हैं। 196वी बटालियन द्वारा आयोजित यह आयोजन यह साबित करता है की सुरक्षा बल केवल शांति स्थापना तक कि नहीं सीमित है बल्कि वे समाज की हर वर्ग के जीवन को बेहतर बनाने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रहे हैं।

# द्वेषपूर्ण कार्रवाई के विरोध में युकां ने फूंका ईडी का पुतला

## विपक्ष के गला घोंटने का काम कर रही है सरकार : गणेश

**दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका**

केंद्रीय एजेंसियों की कथित द्वेषपूर्ण कार्यवाही के खिलाफ आज युवा कांग्रेस के नेतृत्व में प्रवर्तन निदेशालय ईडी का पुतला दहन किया गया। दअसल आज सुबह पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के घर ईडी ने एक बार फिर पहुंच उन्हें प्रताड़ित करने की कोशिश की। दोपहर के बाद भूपेश बघेल के पुत्र चैतन्य बघेल को हिरासत में लेकर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया। इस कार्रवाई के विरोध में आज कांग्रेसियों ने ईडी का पुतला फूंक जमकर नारेबाजी की। इस मौके पर जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष विरेन्द्र गुप्ता ने कहा कि ईडी कार्यवाही पूरी तरह से राजनीतिक बदले की भावना से प्रेरित है। विपक्ष के नेताओं को डराने-धमकाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन कांग्रेस कार्यकर्ता झुकने वाले नहीं हैं। जब तक यह राजनीतिक प्रतिशोध बंद नहीं होगा, हमारा विरोध जारी रहेगा। युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष गणेश दुर्गा ने डबल इंजन सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि उसने विपक्ष का गला घोटने का काम किया है। आज पूर्व मुख्यमंत्री के घर ईडी की टीम पहुंची है। गणेश ने आरोप लगाया कि ईओडब्ल्यू को अब तक कोई ठोस सबूत नहीं मिला है, बावजूद इसके दबाव और दबंगई जारी है। गणेश ने इसे बदलापुर की राजनीति को दबाने की कोशिश बताया। इस दौरान सुलोचना कर्मा, पी एल उइकूडे, जिला कांग्रेस महामंत्री विमल सलाम ,अजय मरकाम, मनोज कौरव, शहर अध्यक्ष सुमित्रा सोरी, इंदिरा शर्मा, मनोज मालवीय,एन नागराज, इंद्रा ठाकुर,आकाश विश्वास, जितेन्द्र कश्यप,जयदीप मालवीय, सोहन भवानी, मनीष ठाकुर, राकेश मण्डावी, गायेन्द्र सिंह, विक्की दुर्गा, तरूण राणा, वसीम खान, गुलाब ध्रुव समेत बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद थे।*ग्राम पंचायत बड़ेहड़मामुण्डा, मूलेर, मड़कामीरास, ककाड़ी में उचित मूल्य दुकान संचालन हेतु 01 अगस्त तक आवेदन आमंत्रित

दंतेवाड़ा - कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी बड़े बचेली के द्वारा विकासखण्ड कुआकोंडा अंतर्गत ग्राम पंचायत बड़ेहड़मामुण्डा, मूलेर, मड़कामीरास, ककाड़ी में उचित मूल्य दुकान संचालन हेतु 01 अगस्त तक आवेदन आमंत्रित किया जाना प्रस्तावित हैं। उक्त संबंध में आवेदन प्रस्तुत करने हेतु अंतिम अवसर देते हुए दुकान संचालन हेतु इच्छुक एजेंसियां यथा वृहदाकार आदिम जाति बहुउद्देशीय सरकारी समितियां, ग्राम पंचायत, महिला स्व-सहायता समूह, वन सुरक्षा समितियां,राज्य शासन द्वारा विनिर्दिष्ट, सार्वजनिक उपक्रम, अन्य उपभोक्ता सहकारी समितियां एवं प्राथमिक कृषि साख समितियां द्वारा विहित ''प्रारूप''में 17 जुलाई से 01 अगस्त 2025 तक कार्यालयीन दिवस एवं समय में एसडीएम बड़े बचेली के कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया जा सकता है। नवीन ग्राम पंचायत बनने पर शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालन किए जाने हेतु दुकान आवंटन किया जाना प्रस्तावित हैं। उक्त संबंध में आवेदन प्रस्तुत करने हेतु अंतिम अवसर देते हुए दुकान संचालन हेतु इच्छुक एजेंसियां यथा वृहदाकार आदिम जाति बहुउद्देशीय सरकारी समितियां, ग्राम पंचायत, महिला स्व-सहायता समूह, वन सुरक्षा समितियां,राज्य शासन द्वारा विनिर्दिष्ट, सार्वजनिक उपक्रम, अन्य उपभोक्ता सहकारी समितियां एवं प्राथमिक कृषि साख समितियां द्वारा विहित ''प्रारूप''में 17 जुलाई से 01 अगस्त 2025 तक कार्यालयीन दिवस एवं समय में एसडीएम बड़े बचेली के कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया जा सकता है।

# स्वच्छता जागरूकता अभियान के पांचवें दिन भी डोर-टू-डोर संपर्क जारी

## महापौर, आयुक्त सभी ने बांटे पाम्पलेट, लोगों से की अपील

**जगदलपुर /मूक पत्रिका**

नगर निगम का यह प्रयास है कि हर वार्ड, हर गली और हर बाजार स्वच्छ और सुंदर बने, और इसके लिए जनता का सहयोग आवश्यक है। इसी कड़ी में नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता जागरूकता अभियान के पांचवें दिन शहर के संजय मार्केट हनुमान मंदिर से डोर-टू-डोर संपर्क अभियान की शुरुआत की गई। इस अभियान का उद्देश्य आम नागरिक विशेष रूप से व्यापारियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है। महापौर संजय पाण्डे, निगम अध्यक्ष खेमसिंह देवांगन, एमआईसी सदस्य, आयुक्त प्रवीण कुमार वर्मा, जनप्रतिनिधियों, पार्षदों, ब्रांड एंबेसडर, भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, वार्डवासियों और नागरिकगणों ने अभियान में भाग लिया। सभी ने दुकानदारों और नागरिकों को पाम्पलेट देकर गीला और सूखा कचरा अलग रखने की अपील की महापौर संजय पाण्डे स्वयं कई दुकानों में जाकर कचरे को पृथक करते नजर आए और लोगों से आग्रह किया कि कचरा केवल कचरा गाड़ी को ही दें और किसी भी स्थिति में नाली या सड़क पर न फेंके। उन्होंने कहा 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत देश को गंदगी मुक्त बनाने के उद्देश्य से की गई थी। आज भी उसका उद्देश्य उतना ही प्रासंगिक है। हम सबको मिलकर यह प्रयास करना होगा।आयुक्त प्रवीण कुमार वर्मा ने कहा कि यदि किसी कारणवश कचरा गाड़ी आपके घर तक नहीं पहुंच पा रही है तो उसकी शिकायत टोल फ्री नंबर 1100 पर दर्ज कराएं साथ ही उन्होंने नागरिकों से अपने वार्ड पार्षद को भी सूचना देने की अपील की। इस अभियान के तहत व्यापारियों से हाथ जोड़कर निवेदन किया गया कि गीला और सूखा कचरा अलग-अलग डिब्बों में रखें और साफ-सफाई बनाए रखें। अभियान में भाग ले रहे जनप्रतिनिधि लगातार नागरिकों को समझाइश दे रहे हैं कि स्वच्छता एक जिम्मेदारी है जिसे सबको निभाना चाहिए।*महापौर संजय पांडे के साथ नगर निगम आयुक्त प्रवीण कुमार वर्मा, नगर निगम अध्यक्ष खेमसिंह देवांगन, लक्ष्मण झा, निर्मल पानीग्राही, योगेंद्र पांडे, संजय विश्वकर्मा, संग्राम सिंह राणा, त्रिवेणी रंधारी, स्वेता बघेल, बसंती समरथ, पूनम सिन्हा, आशा साहू, उमा मिश्रा, नेहा ध्रुव, उर्मिला यादव, गायत्री बघेल, हरीश पारेख, स्वच्छता एंबेसडर रामनरेश पांडे, अश्वनी शरडे, डी के पराशर, राजीव निगम, धीरज कश्यप, पूर्व महापौर सफिरा साहू, ममता सिंह राणा, सुधा मिश्रा, किरण सेन, गीता नाग, विद्या सिंह, सुनीता सिंह, करमजीत कौर, रंजीता पाणिग्रही, ललिता बघेल, किरण दीवान, दिगंबर राव, प्रकाश झा, अविनाश श्रीवास्तव, बृजेश शर्मा, पिंटू साव, राजा यादव, नलिन शुक्ला, पंकज सिंघल, नवीन बोथरा, रीतेश सिन्हा,रितेश सोनी, वीरेन्द्र जोशी, आदि उपस्थित रहे।

# *एकीकृत बाल विकास परियोजना गीदम द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के रिक्त पदों के पैनल अनुसार अंतिम सूची जारी

## 10 दिवस के भीतर कर सकते है दावा आपत्ति*

**दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका**

कार्यालय परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना गीदम द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार उक्त कार्यालय द्वारा 16 जून 2025 को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के रिक्त पद की भर्ती हेतु विज्ञापन जारी किया गया था। प्राप्त आवेदन का निर्धारित मापदण्ड अनुसार पैनल तैयार किया जा चुका है जिसका मूल्यांकन समिति द्वारा परीक्षण भी किया जा चुका है। अतः पैनल सूची परियोजना कार्यालय गीदम एवं जनपद पंचायत गीदम तथा संबंधित ग्राम पंचायत के सूचना पटल पर प्रदर्शित किया जा रहा है, जिसमें किसी भी प्रकार की त्रुटि होने संबंधी सुधार हेतु अभ्यार्थियों से दावा आपत्ति प्रकाशन दिनांक के 10 दिवस के भीतर दावा आपत्ति आंमत्रित की जा रही है। ताकि वरीयता के आधार पर नियुक्ति कार्यवाही को अंतिम रूप दिया जा सके। समय सीमा के भीतर अभ्यावेदन प्राप्त नहीं होने की स्थिति में विचार नहीं की जावेगी।

## जवाहर नवोदय चयन परीक्षा-2026 : कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 29 जुलाई 2025 तक

**जांजगीर-चांपा।** जवाहर नवोदय विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु आयोजित जवाहर नवोदय चयन परीक्षा-2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन 29 जुलाई 2025 तक आमंत्रित किए गए हैं। प्राचार्य, पीएमश्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, चिस्दा ने बताया कि चयन परीक्षा 13 दिसंबर 2025 को प्रातः 11.30 बजे आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि वे विद्यार्थी, जो शैक्षणिक सत्र 2025-26 में जिले के किसी सरकारी या मान्यता प्राप्त स्कूल में कक्षा 5वीं में 31 जुलाई 2025 से पहले तक प्रवेश लेकर अध्ययनरत हैं, और जिनकी जन्मतिथि 1 मई 2014 से 31 जुलाई 2016 के बीच है, वे नवोदय विद्यालय समिति की वेबसाइट https://cbseitms.rcil.gov.in/nvs/Inde&/Registration पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

## ग्राम पंचायत बड़ेहड़मामुण्डा, मूलेर, मड़कामीरास, ककाड़ी में उचित मूल्य दुकान संचालन हेतु 01 अगस्त तक आवेदन आमंत्रित

**दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका**

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी बड़े बचेली के द्वारा विकासखण्ड कुआकोंडा अंतर्गत ग्राम पंचायत बड़ेहड़मामुण्डा, मूलेर, मड़कामीरास, ककाड़ी नवीन ग्राम पंचायत बनने पर शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालन किए जाने हेतु दुकान आवंटन किया जाना प्रस्तावित हैं। उक्त संबंध में आवेदन प्रस्तुत करने हेतु अंतिम अवसर देते हुए दुकान संचालन हेतु इच्छुक एजेंसियां यथा वृहदाकार आदिम जाति बहुउद्देशीय सरकारी समितियां, ग्राम पंचायत, महिला स्व-सहायता समूह, वन सुरक्षा समितियां,राज्य शासन द्वारा विनिर्दिष्ट, सार्वजनिक उपक्रम, अन्य उपभोक्ता सहकारी समितियां एवं प्राथमिक कृषि साख समितियां द्वारा विहित ''प्रारूप''में 17 जुलाई से 01 अगस्त 2025 तक कार्यालयीन दिवस एवं समय में एसडीएम बड़े बचेली के कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया जा सकता है।

# चिंतनपाल पुल निर्माण में गड़बड़ी का आरोप, गड्ढा ढंकने पर ग्रामीणों ने उठाई जांच की मांग

**बीजापुर/मूक पत्रिका**

जिले के उसूर जनपद अंतर्गत मुरकीनार पंचायत के चिंतनपाल गांव में पुल निर्माण को लेकर एक बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। ग्रामवासियों का आरोप है कि दो वर्ष पूर्व पुल निर्माण के लिए 2 लाख रुपये की राशि डीएमएफमद से स्वीकृत की गई थी, लेकिन निर्माण के बजाय केवल गड्ढा खोदकर कार्य अधूरा छोड़ दिया गया। हैरानी की बात यह है कि 11 जुलाई 2025 को जेसीबी मशीन से उस गड्ढे को भर दिया गया, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश है।ग्रामीणों ने पूछा है कि ÷जब पुल का निर्माण ही नहीं हुआ, तो आखिर 2 लाख की राशि कहां गई?÷गांव के लोगों का कहना है कि यह सरपंच और सचिव की मिलीभगत का नतीजा है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि पूर्व सरपंच को 2 लाख रुपये की राशि दी गई थी, लेकिन कार्य न तो शुरू हुआ, न ही राशि का कोई हिसाब मिला।वर्तमान सरपंच कमला भगत का कहना है कि उन्हें इस विषय में कोई जानकारी नहीं है।वहीं, सचिव अंबालिका ठाकुर ने साफ किया कि ÷यह राशि पूर्व सरपंच को दी गई थी, लेकिन अब तक उसने कोई जवाब या हिसाब नहीं दिया है।÷आगे बताया कि लोगों को आने जाने में परेशानी के चलते गड्ढा को भरा गया है।

**गड्ढा भरने की लीपा-पोती, प्रशासन पर भी सवाल**-कुछ दिन पहले जिस तरह से जेसीबी चलाकर गड्ढा भर दिया गया, उससे यह सवाल उठता है कि आखिर प्रशासन क्यों चुप है? दो वर्षों से अधूरा पड़ा कार्य बिना किसी पारदर्शिता के दबाया जा रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ÷सरपंच-सचिव को जब चाहे गड्ढा खोदने और जब चाहे भरने की खुली छूट दी जा रही है। यह पूरी तरह से जनधन का गबन है।÷

**ग्रामीणों की मांग**-ग्रामीणों ने मांग की है कि इस मामले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए। साथ ही पुल का निर्माण कार्य जल्द से जल्द शुरू किया जाए ताकि लोगों को राहत मिल सके।

# AI से लैस सीसीटीवी कैमरों से चांपा बनेगा सुरक्षितः अपराध पर लगेगा अंकुश

- पुलिस महानिरीक्षक सहित पुलिस अधिकारियों का प्रेस क्लब चांपा ने किया सम्मान

**जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका**

जिले के पहला शहर है चांपा जहां मिशन 'सिक्योर सिटी' के तहत लगाए गए 70 सीसीटीवी कैमरे, जिनमें 27 हैं ढ्ढ तकनीक से युक्त। जांजगीर-चांपा जिले में अब अपराधियों की खैर नहीं। जिले का पहला शहर चांपा अब हाईटेक निगरानी व्यवस्था से सुरक्षित हो गया है। मिशन 'सिक्योर सिटी' के तहत शहर में कुल 70 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनमें 27 कैमरे अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ढ्ढ) तकनीक से युक्त हैं। यह पहल पुलिस विभाग और जनसहयोग से साकार हो सकी है। इन कैमरों की मदद से अब शहर की हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा सकेगी। इन सीसीटीवी कैमरों का आज विधिवत शुभारंभ चांपा थाना परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में हुआ। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में बिलासपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (ढ्ढत्त) डॉ. संजीव शुक्ला और जांजगीर-चांपा के पुलिस अधीक्षक (स्क) विजय कुमार पाण्डेय उपस्थित रहे। उन्होंने मिशन सिक्योर सिटी के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह कदम शहर की सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। AI तकनीक से लैस ये कैमरे सामान्य कैमरों की तुलना में अधिक प्रभावशाली हैं। ये कैमरे मानव और वाहनों को उनकी श्रेणियों के अनुसार पहचान सकते हैं। साथ ही इनमें संदिग्ध गतिविधियों को पहचानने, अनावश्यक भीड़भाड़ की निगरानी, चेहरा पहचानने की क्षमता जैसे उन्नत फीचर्स भी हैं। इससे अपराधियों की पहचान करना आसान होगा और समय रहते उनकी धरपकड़ की जा सकेगी। एसपी विजय पाण्डेय ने बताया कि इन कैमरों की स्थापना शहर के प्रमुख चौराहों, बाजारों, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों और संवेदनशील स्थानों पर की गई है। इस व्यवस्था से ना केवल अपराध की घटनाओं पर नजर रखी जा सकेगी, बल्कि भविष्य में अपराध की संभावनाओं को भी रोका जा सकेगा। यह कदम जनता और पुलिस के बीच विश्वास को भी और मजबूत करेगा। ढ्ढत्त डॉ. संजीव शुक्ला ने नागरिकों से अपील की कि वे इस पहल में सहयोग करें और शहर की सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखने में प्रशासन की मदद करें। उन्होंने कहा कि चांपा की यह पहल पूरे प्रदेश के लिए उदाहरण बनेगी और अन्य शहरों में भी इसे लागू करने की दिशा में विचार किया जाएगा।

## व्यापमं द्वारा दिए गए परीक्षाओं संबंधित दिशा-निर्देश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें-कलेक्टर दुदावत

# कलेक्टर कुणाल दुदावत की अध्यक्षता में व्यापमं परीक्षाओं को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

- परीक्षार्थियों में निर्देशों के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु सार्वजनिक स्थलों में फ्लैक्स बैनर लगाने के दिए गए निर्देश

**दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका**

संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में बीते शुक्रवार कलेक्टर कुणाल दुदावत की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापमं) द्वारा आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में परीक्षाओं के दौरान परीक्षार्थियों एवं संबंधित अधिकारियों द्वारा पालन किए जाने वाले दिशा-निर्देशों पर विस्तार से चर्चा की गई और उनकी सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में कलेक्टर दुदावत ने कहा कि परीक्षार्थी परीक्षा प्रारंभ होने के कम से कम दो घंटे पूर्व परीक्षा केंद्र पर पहुंचे ताकि उनकी फ्राइस्किंग और पहचान पत्र का सत्यापन सुचारू रूप से किया जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षा प्रारंभ होने के 15 मिनट पूर्व परीक्षा केंद्र का मुख्य द्वार बंद कर दिया जाएगा, अतः समय का विशेष ध्यान रखें। उदाहरण स्वरूप, यदि परीक्षा सुबह 10 बजे से प्रारंभ होनी है, तो परीक्षा केंद्र का द्वार 9:45 बजे बंद कर दिया जाएगा।ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा परीक्षा में सम्मिलित होने वाले परीक्षार्थियों को हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े पहनने और चप्पल का उपयोग करने की सलाह दी गई है। साथ ही किसी भी प्रकार का आभूषण, विशेषकर कान में पहने जाने वाले गहनों को पूर्णतः वर्जित किया गया है। परीक्षा प्रारंभ होने के पहले आधे घंटे और समाप्ति के आखिरी आधे घंटे में परीक्षार्थियों को परीक्षा कक्ष से बाहर जाने की अनुमति नहीं होगी। कलेक्टर ने यह भी निर्देशित किया कि परीक्षा कक्ष में किसी प्रकार के संचार उपकरण जैसे मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक घड़ी, पर्स, पाउच, स्कार्फ, बेल्ट, टोपी आदि ले जाना पूर्णतः प्रतिबंधित है। परीक्षार्थियों को सलाह दी गई है कि वे अपने प्रवेश पत्र के सभी पृष्ठों का प्रिंट निकालें और प्रत्येक पृष्ठ को केवल एक तरफ से ही प्रिंट करें, क्योंकि प्रत्येक परीक्षा हेतु व्यापम की प्रति परीक्षा केंद्र में जमा हो जायेगी। प्रवेश पत्र के साथ परीक्षार्थियों को फोटो युक्त मूल पहचान पत्र जैसे आधार कार्ड, वोटर आईडी, ड्राइविंग लाइसेंस या पैन कार्ड में से कोई एक दस्तावेज अनिवार्य रूप से लाना होगा। मूल पहचान पत्र के अभाव में परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। यदि किसी परीक्षार्थी के प्रवेश पत्र पर फोटो नहीं है, तो उसे दो रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो के साथ परीक्षा केंद्र में उपस्थित होना अनिवार्य किया गया है।उत्तर लिखने के लिए परीक्षार्थियों को केवल नीले या काले बॉल पॉइंट पेन का उपयोग करने की अनुमति होगी। परीक्षा में अनुचित साधनों के प्रयोग पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी और संबंधित परीक्षार्थी की अभ्यर्थिता समाप्त कर दी जाएगी। कलेक्टर दुदावत ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि किसी परीक्षार्थी के प्रवेश पत्र और आधार कार्ड में नाम में थोड़ा बहुत अंतर है, तो उसे परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति दी जाएगी, परंतु यदि पहचान पत्र और आधार कार्ड में पूरी तरह अलग नाम पाया गया, तो ऐसे परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। कलेक्टर ने यह भी कहा कि व्यापम द्वारा जारी निर्देशों के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु सार्वजनिक स्थलों में फ्लैक्स बैनर लगाये जाए। बैठक में कलेक्टर ने पुलिस विभाग को सभी परीक्षा केंद्रों में एकरूपता के साथ कार्य करने और व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने उड़नदस्ते, सर्व ऑब्जर्वर, समन्वयक एवं केंद्र अध्यक्षों को भी सतर्क रहने और किसी भी अनियमितता की स्थिति में तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा। इस बैठक में संयुक्त कलेक्टर भरतराम ध्रुव, पुलिस नोडल अधिकारी, सर्व ऑब्जर्वर, उड़नदस्ता दल, समन्वयक, मास्टर ट्रेनर, केंद्राध्यक्ष सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक के अंत में कलेक्टर ने सभी अधिकारियों से समन्वय के साथ कार्य कर परीक्षा व्यवस्था को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी रूप से संपन्न कराने का निर्देश दिया गया।

## 90 प्लस परीक्षा परिणाम अभियान : शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने अभिनव पहल,कम प्रगति वाले स्कूलों की होगी मॉनिटरिंग, अधिकारियों को दी गई जिम्मेदारी

**मुंगेली /मूक पत्रिका**

जिले हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों की शैक्षिक प्रगति बेहतर करने और शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन की दिशा में अभिनव पहल करते हुए जिला प्रशासन द्वारा 90 प्लस परीक्षा परिणाम अभियान संचालित किया जा रहा है। जिसके माध्यम से विशेष कार्य योजना बनाकर 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम 90 प्रतिशत से ऊपर लाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अंतर्गत छात्र-छात्राओं की शालाओं में नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने विशेष प्रयास, कमजोर परिणाम वाले विद्यालयों में उपचारात्मक शिक्षक की व्यवस्था, विद्यार्थियों को नियमित लेखन का अभ्यास, जिला स्तर पर विषय विशेषज्ञ अध्यापकों की व्यवस्था, विद्यार्थियों की शैक्षिक स्तर पर चर्चा एवं कमजोर विद्यार्थियों के शैक्षिक स्तर में सुधार हेतु आवश्यक पहल जैसे प्रयास शामिल है। कलेक्टर कुन्दन कुमार के द्वारा कम शैक्षणिक प्रगति वाले स्कूलों के शैक्षिक सूचकांकों में प्रगति लाने विशेष कार्ययोजना बनाकर बेहतर मॉनिटरिंग के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर द्वारा इस संबंध में आदेश जारी कर चिन्हांकित स्कूलों के लिए जिला एवं विकासखंड अधिकारयों को नोडल बनाया गया है। ये अधिकारी माह में 02 बार नियमित रूप से संबंधित स्कूलों के संस्था प्रमुखों से समन्वय स्थापित कर स्कूलों का निरीक्षण करेंगे तथा अवलोकन प्रपत्र के माध्यम से अकादमिक कार्य निष्पादन, मासिक मूल्यांकन परिणाम तथा स्कूलों की संपूर्ण व्यवस्था के संबंध में प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे, ताकि बेहतर शैक्षणिक गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके।

# नगर के दूध नदी में डूबने से तीन वर्षीय मासूम की दर्दनाक मौत, आंगनबाड़ी की लापरवाही पर उठे सवाल

**कांकेर/मूक पत्रिका**

शहर की दूध नदी में मंगलवार दोपहर एक तीन वर्षीय मासूम बालक की डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान शिवासु बाल्मीकि के रूप में हुई है, जो नगर के एमजी वार्ड आंगनबाड़ी केंद्र में पंजीकृत है। यह घटना न केवल मासूम की असमय मृत्यु को लेकर शोकजनक है, बल्कि आंगनबाड़ी व्यवस्था की लापरवाही पर भी गंभीर प्रश्न खड़े कर रही है।मिली जानकारी के अनुसार, मासूम शिवासु बाल्मीकि मंगलवार को रोज़ की तरह अपने वार्ड स्थित आंगनबाड़ी केंद्र गया था। दोपहर करीब 1:30 बजे छुट्टी के बाद वह लापता हो गया। काफी देर तक जब वह घर नहीं पहुंचा, तो परिजनों ने खोजबीन शुरू की।कुछ समय बाद, मोहल्ले से सटी दूध नदी के किनारे बच्चे की लाश दिखाई दी। सूचना मिलने पर स्थानीय लोग नदी की ओर दौड़े और अत्यंत दुखद दृश्य सामने आया-नदी में शिवासु का शव तैरता मिला। उसे तुरंत जिला अस्पताल लाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।इस हृदयविदारक घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मोहल्ले में शोक का माहौल है और आंगनबाड़ी की लापरवाही को लेकर लोगों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। परिजनों का कहना है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने बच्चों पर पर्याप्त निगरानी नहीं रखी, जिसके चलते यह हादसा हुआ।सूत्रों के अनुसार, यह भी सामने आया है कि आंगनबाड़ी केंद्र से छुट्टी के बाद बच्चा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के साथ किसी परिचित के घर गया था, जहाँ से वह अपनी माँ की तलाश में खुद ही निकल पड़ा। इस दौरान वह नदी किनारे तक जा पहुंचा, जहाँ संभवतः फिसलकर नदी में गिर गया।सबसे गंभीर बात यह है कि आंगनबाड़ी केंद्र को मासूम की अनुपस्थिति की जानकारी तक नहीं थी, जो बाल सुरक्षा मानकों पर सीधे सवाल खड़ा करता है।घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि हर पहलु की जांच की जाएगी,।इस घटना ने आंगनबाड़ी केंद्रों की निगरानी प्रणाली और जिम्मेदारियों को लेकर गंभीर बहस छेड़ दी है। तीन साल का मासूम बच्चा कैसे बिना किसी की निगाह से ओझल होकर नदी तक पहुंच गया? क्या आंगनबाड़ी स्टाफकी कोई जवाबदेही तय होगी?

# जिला पंचायत अध्यक्ष, कलेक्टर सहित जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने एक पेड़ माँ के नाम 2.0 अभियान के तहत किया पौधारोपण

## 11वीं बटालियन पुटपुरा में 23 हेक्टेयर क्षेत्र में 25,300 पौधे लगाए गए

**जांजगीर-चांपा /मूक पत्रिका**

वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के तत्वावधान में बीते शुक्रवार को 11वीं बटालियन पुटपुरा परिसर में वन महोत्सव कार्यक्रम-2025 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सत्यलता आनंद मिरि, कलेक्टर जन्मेजय महोबे, डीएफओ हिमांशु डोंगरे, कमांडेंट विमल बैस, जिला पंचायत सदस्य सुश्री आशा साव, श्रीमती उमा राजेन्द्र राठौर, अमर सुल्तानिया, आनंद मिरि सहित जनप्रतिनिधि एवं उपवनमंडल अधिकारी, वनपरिक्षेत्र अधिकारी, अधिकारी-कर्मचारियों ने एक पेड़ माँ के नाम 2.0 अभियान के तहत पौधारोपण किया। कलेक्टर महोबे ने 11वीं बटालियन पुटपुरा में किये गये 23 हेक्टेयर में 25,300 पौधरोपण अभियान की सराहना की। कलेक्टर

ने सभी नागरिकों से अपने आस-पास अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने की अपील की। उन्होंने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान का उद्देश्य वृक्षारोपण एवं भावनात्मक जुड़ाव के माध्यम से प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी विकसित करना है। उन्होंने लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल व निगरानी सुनिश्चित करने कहा। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सत्यलता आनंद मिरि एवं जनप्रतिनिधियों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उसकी देखभाल करने की अपील की। वनमंडलाधिकारी हिमांशु डोंगरे ने कहा कि 11वीं बटालियन पुटपुरा में 23 हेक्टेयर क्षेत्र में चरणबद्ध 25,300 पौधों का रोपण किया गया। उन्होंने सभी नागरिकों, स्वयं सेवी संगठनों, जनप्रतिनिधियों से पौधरोपण करने और उसकी देखभाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पौधरोपण से हम न केवल पर्यावरण को सुरक्षित करते हैं, बल्कि भावी पीढ़ियों को स्वच्छ हवा और स्वस्थ वातावरण का उपहार देते हैं। इस अवसर पर नीम, सागौन, महोगनी, आम, अर्जुन, करंज, अशोक, आंवला सहित विभिन्न औषधीय एवं फलदार पौधे लगाये गये।

# जगदलपुर- नगरनार ब्लॉक को मिली विकास की सौगात, सांसद महेश कश्यप ने 76.68 लाख के कार्यों का किया भूमिपूजन

- हर गांव तक पहुंचे विकास, यही है हमारा संकल्प – सांसद महेश कश्यप

**जगदलपुर/मूक पत्रिका**

बस्तर संसदीय क्षेत्र के सांसद महेश कश्यप ने शुक्रवार को नगरनार ब्लॉक के अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों में कुल 76.68 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इन कार्यों के जरिए ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क सुविधा, धार्मिक-सांस्कृतिक स्थलों के विकास और जनसुविधाओं के विस्तार की दिशा में ठोस पहल की गई है।

**सीसी सड़कों के निर्माण से ग्रामीणों को मिलेगी बड़ी राहत-** ग्राम गरावंड खुर्द में सीसी सड़क और माता गुड़ी, खम्हारगांव में सीसी सड़क एवं बूढ़ादेव गुड़ी, माड़पाल में माता गुड़ी और सीसी सड़क का भूमिपूजन किया गया। इसके अलावा मारकेल, शिवनागुड़ा और आंजरगुड़ा में चार सीसी सड़कों का कार्य प्रारंभ किया गया, जिससे इन गांवों के संपर्क मार्ग और मजबूत होंगे। नगरनार में राम मंदिर के समीप सीसी सड़क का भूमिपूजन कर श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों को बेहतर आवागमन सुविधा का लाभ प्रदान किया गया है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद महेश कश्यप ने कहा – हमारा उद्देश्य है कि बुनियादी सुविधाएं प्रत्येक नागरिक और हर गांव तक पहुंचे। सड़क, बिजली, पानी और धार्मिक स्थलों के विकास से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा और सामाजिक समरसता भी सुदृढ़ होगी।उन्होंने यह भी कहा कि वे सरकार की योजनाओं को नीति से व्यवहार तक पहुँचाने के लिए सतत कार्य कर रहे हैं और विकास की यह यात्रा निरंतर जारी रहेगी।

**स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने जताया आभार-**इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि आनंद मोहन मिश्रा, भाजपा जिला महामंत्री रामाश्रय सिंह, जिला पंचायत सदस्य बिंदु साहू, जनपद अध्यक्ष पदलाम नाग, उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम कश्यप, मंडल अध्यक्ष महेंद्र सेठिया, महामंत्री राजेश शर्मा, नगरनार मंडल उपाध्यक्ष सीमांचल दास, मोहन सेठिया, लक्षित्री धरत, सवीता साहनी, संपत कश्यप, दयाराम बघेल, सरपंच महादेव बघेल, सोनामनी गोयल, राजेश पटेल, संगीता कश्यप, शंकर गोयल, लखमू नाग, ममता ध्रुव, धनसिंह यादव, लैखन गोयल, ईश्वर कश्यप, कलावती नाग, जलकुमारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने कहा कि सांसद कश्यप की पहल से अब गांवों को भी विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है और लंबे समय से लंबित आवश्यकताएं पूरी हो रही हैं।

# 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत 15वीं वाहिनी सीआरपीएफधनोरा में वृक्षारोपण

**बीजापुर/मूक पत्रिका**

15वीं वाहिनी भारत रक्षित छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल (सीआरपीएफ), धनोरा कैम्प परिसर में शुक्रवार को एक पेड़ माँ के नाम वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के साथ-साथ मातृत्व के सम्मान को समर्पित एक प्रेरणादायक पहल के रूप में संपन्न हुआ।इस अभियान का आयोजन उप पुलिस महानिरीक्षक दक्षिण रेंज बस्तर प्रशांत अग्रवाल (भापुसे) के मार्गदर्शन एवं 15वीं वाहिनी के सेनानी मयंक गुर्जर (भापुसे) के नेतृत्व में किया गया।जिसमे विशेष अतिथि के रूप में डीआईजी कमलोचन कश्यप, कलेक्टर संबित मिश्रा, पुलिस अधीक्षक डॉ जितेन्द्र कुमार यादव, पुलिस अधीक्षक दन्तेवाड़ा गौरव राय, पुलिस अधीक्षक एसटीएफ बघेरा, दुर्ग राजनाला, डीएफओ आर. रामाकृष्णा वाय, उपनिदेशक,आईटीआर संदीप बलगा, सीईओ जिला पंचायत हेमन्त रमेश नंदनवार सम्मिलित हुऐ।इन सभी अधिकारियों के साथ-साथ वाहिनी के अधिकारी एवं जवानों ने परिसर में पौधे रोपे और प्रत्येक पौधा अपनी माँ को समर्पित किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से केवल वृक्षारोपण ही नहीं, बल्कि समाज में मातृत्व के प्रति आदरभाव, नैतिक मूल्यों की पुनर्स्थापना और प्राकृतिक संसाधनों के प्रति उत्तरदायित्व का संदेश दिया गया। उपस्थित सभी लोगों ने पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया।

# *आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पद हेतु 18 जुलाई से 01 अगस्त तक कर सकते हैं आवेदन*

**दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका**

महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्रालय, डी.के.एस. भवन रायपुर के प्रेस विज्ञप्ति अनुसार एकीकृत बाल विकास परियोजना दन्तेवाड़ा अंतर्गत वर्तमान में आंगनबाड़ी केंद्र ग्राम पंचायत मटेनार माडकापारा, कुपेर स्कूलपारा, चन्देनार बलरामपारा, चन्दनार तामोपारा, दाबपाल छिन्दपारा, चितालूर कोचईपारा, पोन्दुम अस्पतालपारा, पोन्दुम बाण्डापारा, बालूद टांगरापदर, बालपेट खालेपारा, कंवलनार पटेलपारा, चितालंका मुण्डाटिकरापारा एवं नगर पालिका क्षेत्र दन्तेवाड़ा नयापारा में आंगनबाड़ी सहायिका रिक्त पद पर नियमानुसार पूर्ति किया जाना हैं। इस हेतु संबंधित ग्राम पंचायत तथा नगर पंचायत से इच्छुक सभी आवेदनकर्ताओं से दिनांक 18 जुलाई से 01 अगस्त 2025 संध्या 5.30 बजे तक कार्यालय में बंद लिफाफा, डाक या स्वयं के द्वारा आवेदन निश्चित प्रारूप में आमंत्रित किये गये हैं। शैक्षणिक अर्हतानुसार सहायिका पद हेतु 8वीं उत्तीर्ण होना तथा आयु 18 से 44 वर्ष का होना निर्धारित किया गया है। इस संबंध में किसी भी प्रकार की अतिरिक्त जानकारी, आवेदन पत्र का प्रारूप प्राप्त किये जाने हेतु सभी इच्छुक आवेदनकर्ता कार्यालयीन दिवसो में कार्यालयीन समय पर कार्यालय, एकीकृत बाल विकास परियोजना दन्तेवाड़ा व महिला एवं बाल विकास विभाग से संपर्क कर सकते हैं।

# *डिप्टी चीफलीगल एड डिफेंस कौंसिल (अनारक्षित मुक्त वर्ग) के रिक्त पद के संबंध में अधिवक्ताओं से आवेदन आमंत्रित,*31 जुलाई तक किये जा सकते है आवेदन

**दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका**

कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार दंतेवाड़ा जिला दंतेवाड़ा छ0ग0 के अंतर्गत संचालित लीगल एड डिफेंस कौंसिल सिस्टम दंतेवाडा के स्थापना हेतु नालसा लीगल एड डिफेंस कौंसिल सिस्टम, संशोधित स्कीम 2022 में जारी दिशा निर्देश एवं छ0ग0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के पत्र क्रमांक 7490/एल.ए.डी.सी.एस. -23/2024 दिनांक 11 नवम्बर 2024 में दिये निर्देशानुसार 01 पद डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस कौंसिल (अनारक्षित मुक्त वर्ग) के पद हेतु निर्धारित मानदेय पर संविदा नियुक्ति किये जाने हेतु भारतीय नागरिकों (अधिवक्ताओ) से आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदन कार्यालय अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला न्यायालय परिसर दंतेवाडा जिला-दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा छ.ग. के कार्यालय में प्रस्तुत किया जा सकता है। जिसकी अंतिम तिथि 31 जुलाई 2025 सध्या 05 बजे तक (केवल स्पीड पोस्ट या रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से) निर्धारित किया गया है। विज्ञापन के संबंध में सम्पूर्ण जानकारी, शर्तें वेब साईट https://dantewada.dcourts.gov.in category/recruitments/ एवं httpsÑ//dantewada.dcourts.gov.in/notice& पर उपलब्ध है।

# जिले में अब तक 227.3 मिमी. औसत वर्षा दर्ज

बेमेतरा- चालू बारिश सीजन के दौरान बेमेतरा जिले में 01 जून से 18 जुलाई 2025 प्रतिवेदित दिनांक तक की स्थिति में सवेरे 8.00 बजे तक जिले में 227.3 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। जिले में अब तक सर्वाधिक वर्षा तहसील दाढ़ी में 296.7 मि.मी. तथा न्यूनतम 130 मि.मी. वर्षा नवागढ़ तहसील में दर्ज की गई है। संयुक्त जिला कार्यालय के भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार बेमेतरा तहसील मे 192.6 मि.मी. वर्षा, नांदघाट तहसील में 281.5 मि.मी. वर्षा, बेरला तहसील में 233.4 मि.मी., देवकर तहसील में 226 मि.मी, वर्षा थानखम्हरिया तहसील मे 286.3 मि.मी., वर्षा भिंभौरी तहसील में 159.5 मि.मी. एवं साजा तहसील में 240 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

# भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ प्रदेश का प्रादेशिक अधिवेशन 03अगस्त को रायपुर में

## राजस्व, खेल एवम युवा कल्याण मंत्री टंक राम वर्मा होंगे मुख्य अतिथि

**जांजगीर-चांपा /मूक पत्रिका**

पेंशनर एवम पेंशनर परिवार की सेवा के सक्रिय अखिल भारतीय स्तर के एक मात्र संगठन भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ प्रदेश का प्रादेशिक अधिवेशन 03 अगस्त 2025 को जे एन पाण्डेय उत्कृष्ट शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रायपुर के सभागृह में आयोजित है।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व ,खेल एवम युवा कल्याण मंत्री,सेवानिवृत्त शिक्षक ,पेंशनर टंक राम वर्मा जी होंगे।अधिवेशन में विशिष्ठ अतिथि के रूप में पूर्व आई ए एस,पेंशनर नीलकंठ टेकाम विधायक केशकाल एवम पूर्व ए एस अनुराग पाण्डेय की गरिमा मय उपस्थिति रहेगी।कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ प्रदेश के प्रांताध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव जी करेंगे।इस अधिवेशन आयोजन को लेकर छत्तीसगढ़ राज्य के पेंशनरों एवम परिवार पेंशनर में भारी उत्साह है। सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के पेंशनर साथी अपनी सहभागिता हेतु अग्रिम पंजीयन करा रहे हैं। इस अधिवेशन में पेंशनरों के राज्य स्तरीय एवम राष्ट्रीय स्तर की समस्याओं पर व्यापक चर्चा होगी तथा आवश्यक कार्यवाही ,आंदोलन आदि की रूपरेखा तैयार किया जाएगा।अधिवेशन में वन नेशन वन पेंशन योजना लागू करने,मध्यप्रदेश राज्य पुनर्गठन अधिनियम 2000 की धारा 49(6) को विलोपित करने, केन्द्र के समान देय तिथि से देय दर पर महंगाई राहत प्रदान करने,छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त संभागों , जिलों में पेंशन कार्यालय खोलने, काम्यू टेशन की कटौती 15 वर्ष के स्थान पर 11वर्ष करने,पेंशन को आयकर से मुक्त करने ,सेवानिवृत्त दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों की संपूर्ण सेवाकाल को पेंशन गणना में शामिल करने ,पेंशनरों को भारत भ्रमण करने हेतु आर्थिक सहायता प्रदान करने संबंधी मुद्दों पर प्रमुख रूप से चर्चा होगी।

भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ जिला शाखा जांजगीर चांपा के अध्यक्ष परमेश्वर स्वर्णकार ने बताया कि जांजगीर चांपा जिला के पेंशनर साथी भारी संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज करा कर अधिवेशन को सफल बनाने में अपना सक्रिय सहयोग प्रदान करेगें। इस अधिवेशन में नए प्रदेश अध्यक्ष का भी निर्वाचन होगा।

**भाजपा के इसारे मे कांग्रेसियों पर कार्यवाही कर रही ईडी का पुतला फूंक जताया विरोध**

# बिजली बिल बढ़ोतरी को लेकर कांग्रेस ने किया प्रदर्शन,घेरा बिजली ऑफिस

**कोंडागांव /मूक पत्रिका**

छत्तीसगढ़ प्रदेश मे जबसे भाजपा की सरकार बनी है तब से लगातार बिजली की कटौती हो रही हैं और लगातार बिजली बिल की दरों मे बेतहाशा वृद्धि हुई हैं जिसके विरोध मे कांग्रेस पार्टी आंदोलन का रुख अपना चुकी है।छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर सम्पूर्ण प्रदेश मे 15 जुलाई को प्रेस वार्ता कर सरकार के कारनामों का खुलासा किया गया प्रेस वार्ता मे बताया की किस तरह भाजपा सत्ता मे आने के बाद आम जनता की जेब मे डाका डालने का काम कर रही है।बिजली बिल के बढ़ते दामों से सीधे आमजन के जीवन मे प्रभाव पड़ रहा है किसान व्यापारी घेरलु बिजली सभी के दरों मे वृद्धि हुई है। पीसीसी के निर्देश पर 16,17 एवं 18 जुलाई को छत्तीसगढ़ के सभी ब्लॉक मे बिजली ऑफिस का घेराव किया जाना था जिसके तहत कोंडागांव जिला कांग्रेस कमेटी के द्वारा सभी ब्लॉक मुख्यालयों मे प्रदर्शन करने का निर्देश प्राप्त कर विश्रामपुरी ब्लॉक मे दिनांक 16 जुलाई को प्रदर्शन किया गया वहीं कोंडागांव, माकड़ी, फरसगांव एवं केशकाल ब्लॉक मे बीते 18 जुलाई को प्रदर्शन किया गया। कोंडागांव ब्लॉक एवं शहर कांग्रेस कमेटी के द्वारा दहीकोंगा स्थित बिजली ऑफिस का घेराव किया गया माकड़ी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के द्वारा बीजापुर स्थित बिजली ऑफिस का घेराव किया गया केशकाल एवं धनोरा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के द्वारा केशकाल बिजली ऑफिस का घेराव किया गया फरसगांव ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के द्वारा फरसगांव बिजली ऑफिस का घेराव किया गया जमकर नारे बाजी के साथ रैली निकाल सांय सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ हल्लाबोल करते हुए रैली निकाल कर बिजली दफ्तर के घेराव के साथ सक्षम अधिकारी को महामहिम राज्यपाल व मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के साथ साथ प्रशासन को चेतावनी देते कहा की सरकार अपना फैसला वापस ले सरप्लस बिजली वाले प्रदेश मे बिजली कटौती बंद करें और बिजली बिल दरों मे हुई बढ़ोतरी पर लगाम कसे अन्यथा 22 जुलाई दिन मंगलवार को कोंडागांव जिला कांग्रेस कमेटी के द्वारा कोंडागांव बिजली ऑफिस का घेराव किया जायेगा।कार्यक्रम के बारे मे बताते हुए पूर्व मंत्री मोहन मरकाम ने कहा मैं नेता बाद मे हूं पहले आदिवासी किसान हूं और किसान की दुःख दर्द को भली भांति समझता हूं ये भाजपा की सरकार मे बैठे लोगों को आमजन किसान मजदूर गरीब आदिवासियों की पीड़ा नजर नहीं आती बिजली बिल की दरों मे वृद्धि होने से हर एक बिजली उपभोक्ता के जेब मे इसका सीधा असर पड़ेगा सरकार को बिजली बिल बढ़ोतरी मे तत्काल रोक लगानी चाहिए।

**भूपेश बघेल के घर पुनः ईडी के छापा पड़ने के विरोध मे फूँका ईडी का पुतला-** सुबह सुबह भाजपा के इसारे मे कार्य कर रही ईडी पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के घर दस्तक देती है इसके पूर्व मे भी कई दफे आ चुकी परन्तु कुछ सुराख़ नहीं मिला फिर भी कांग्रेसियो को परेशान करने के उद्देश्य से विपक्ष की आवाज को कुचलने के उद्देश्य से यह द्वेष पूर्ण कार्यवाही की जा रही हैं जिसके विरोध मे कोंडागांव जिले के दहीकोंगा मे ईडी भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए पुतला दहन किया गया। बिजली ऑफिस घेराव एवं पुतला दहन के दौरान पूर्व मंत्री मोहन मरकाम,जिलाध्यक्ष बुधराम नेताम,पूर्व जिलाध्यक्ष झूमुक दीवान,जिला कांग्रेस कमेटी प्रभारी महामंत्री रितेश पटेल,महामंत्री गीतेश गाँधी,सकुर खान,कार्यकारी ब्लॉक अध्यक्ष संजय करन,कार्यकारी शहर अध्यक्ष नरेन्द्र देवांगन,कोषाध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी हरमोहन कोहली,शहर महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमति हेमा देवांगन,भगवती पटेल,गुणमती नायक,उमा दीवान,लेखनी प्रधान,अंजू जोशी,नीलू देवांगन, प्रीति भदौरिया, सरिता देवांगन,भंवर कौशल, भंगी पटेल, शिवलाल मंडावी,सन्नी आनंद,भरत देवांगन,मंडल अध्यक्ष नंदू दीवान, योगेंद्र राठौर, ब्रिज सोढ़ी,योगेंद्र पोयाम, राजेंद्र देवांगन,गुड्डु ठाकुर, रमेश सिन्हा,संतोष नाग,श्यामलाल बघेल,शेख आदिल, रायसिंग मंडावी,दीना नेताम,देवेंद्र कोर्राम, जीतू दुबे,हीरा दीवान,रविन्द्र दीवान,लोकमन दीवान,लक्ष्मण पांडे, सतीश नेताम,भुप्पी ध्रुव,बलदेव मरकाम, वरुण सेठिया,जयराम मरकाम,पीलाराम नेताम सहित 500 की संख्या बल के साथ कांग्रेस पदाधिकारी कार्यकर्ता किसान एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

## संपादकीय

# विमान हादसे के पीछे असल वजह क्या थी? कई अनसुलझे सवाल

गुजरात के अहमदाबाद में बीते जून माह में हुए विमान हादसे की प्रारंभिक जांच में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। रपट में कहा गया है कि दुर्घटना से ठीक पहले विमान के दोनों इंजन में ईंधन पहुंचाने वाले स्विच बंद हो गए थे, जिससे पायलटों में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। भ्रम इस बात का कि स्विच किसने बंद किए। यह तकनीकी खराबी के कारण हुआ या किसी की गलती से, रपट में इसका कोई उल्लेख नहीं है। यानी हादसे के एक कारण का तो पता चल गया, लेकिन इस कारण के पीछे असल वजह क्या थी, यह सवाल अब भी अनुत्तरित है। एअर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान में सवार 242 लोगों में से एक को छोड़कर बाकी सभी की इस हादसे में मौत हो गई थी। इस दुर्घटना के बाद कई सवाल खड़े हुए हैं, जिनका जवाब इसलिए भी तलाशना जरूरी है, ताकि भविष्य में ऐसी किसी बड़ी त्रासदी को रोकने के पुख्ता बंदोबस्त किए जा सकें। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआइबी) की रपट के अनुसार, एअर इंडिया के इस विमान के उड़ान भरने के कुछ ही क्षण बाद इसके दोनों ईंधन नियंत्रण स्विच (जिनका उपयोग इंजनों को बंद करने के लिए किया जाता है) अचानक बंद हो गए थे। इसकी पुष्टि घटना के वक्त 'काकपिट वायस रेकार्डिंग' में पायलट और सह-पायलट की आपसी बातचीत से हुई है। जांच रपट में कहा गया है कि बातचीत के दौरान एक पायलट ने दूसरे से पूछा कि ईंधन की आपूर्ति क्यों बंद की गई, तो जवाब मिला कि उन्होंने ऐसा नहीं किया। इससे साफ है कि हादसे से पहले विमान के दोनों इंजन ने काम करना बंद कर दिया था। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि दोनों ईंधन नियंत्रण स्विच एक साथ बंद कैसे हो गए। नियमानुसार उड़ान से पहले विमान की तकनीकी जांच की जाती है और सभी मानकों पर संतोषजनक रपट के बाद ही उड़ान की अनुमति दी जाती है। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि अगर एअर इंडिया के इस विमान में कोई तकनीकी खराबी थी, तो वह उड़ान से पहले की जांच के दौरान पकड़ में क्यों नहीं आई? हादसे की आगे की जांच में इन आशंकाओं से जुड़े सवालों को भी शामिल करने की जरूरत है। जांच रपट का दूसरा पहलू यह है कि कहीं अनजाने में पायलट की गलती से ईंधन नियंत्रण स्विच बंद तो नहीं हुए थे! हालांकि, रपट में विमान के पायलटों की गलती की ओर स्पष्ट रूप से कोई संकेत नहीं किया गया है। वहीं, विमानन क्षेत्र के विशेषज्ञों का कहना है कि पायलटों द्वारा ईंधन स्विच को अनजाने में चालू या बंद करने की संभावना बहुत कम होती है, क्योंकि स्विच में एक छोटा 'मैकेनिकल गेट' लगा होता है। रपट में कहा गया है कि दोनों पायलटों ने इंजनों को फिर से चालू करने की कोशिश की, लेकिन एक इंजन ही ठीक हो पाया, जबकि दूसरा गति बढ़ाने के लिए पर्याप्त ऊर्जा उत्पन्न नहीं कर पाया। यानी पायलटों ने उस नाजुक घड़ी में हार नहीं मानी थी और उन्होंने वह हर कोशिश की जो संभव थी। इसके अलावा विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने इस हादसे के पीछे किसी साजिश की आशंका को भी अभी तक दरकिनार नहीं किया है।

**उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने राज्य के सरकारी स्कूलों को आपस में मर्ज (विलय) करने का फैसला किया तो इस पर राजनीति और हंगामा शुरू हो गया। विपक्षी नेता इस नीति को छात्रों के विरोध में बताते हुए बयानबाजी करने लगे, शिक्षकों की ओर से भी इस नीति का विरोध जताया जाने लगा, अभिभावक भी चिंतित होने लगे, कोई इस नीति के विरोध में कोर्ट चला गया तो कोई सोशल मीडिया पर इसके विरोध में तमाम पोस्टें किये जा रहा है।**

# उप्र में विद्यालय विलय नीति का विरोध करने वाले बच्चों के भविष्य पर राजनीति कर रहे हैं

(नीरज कुमार दुबे)

असल में देखा जाये तो योगी सरकार की स्कूलों को मर्ज करने की नीति केवल प्रशासनिक सुधार भर नहीं है, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता, संसाधनों की बेहतर उपलब्धता और विद्यार्थियों के समग्र विकास के दृष्टिकोण से एक दूरदर्शी कदम है।

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने राज्य के सरकारी स्कूलों को आपस में मर्ज (विलय) करने का फैसला किया तो इस पर राजनीति और हंगामा शुरू हो गया। विपक्षी नेता इस नीति को छात्रों के विरोध में बताते हुए बयानबाजी करने लगे, शिक्षकों की ओर से भी इस नीति का विरोध जताया जाने लगा, अभिभावक भी चिंतित होने लगे, कोई इस नीति के विरोध में कोर्ट चला गया तो कोई सोशल मीडिया पर इसके विरोध में तमाम पोस्टें किये जा रहा है। लेकिन आप इस नीति का विरोध कर रहे लोगों की बातों को सुनेंगे या उनकी सोशल मीडिया पोस्ट को पढ़ेंगे तो एक बात साफ हो जायेगी कि इन्हें शिक्षा में सुधार से कोई लेना-देना नहीं है। किसी को अपनी राजनीति चमकानी है तो किसी को अपने लिये बरसों से बने सुविधाजनक माहौल से बाहर नहीं निकलना है।

जबकि असल में देखा जाये तो योगी सरकार की स्कूलों को मर्ज करने की नीति केवल प्रशासनिक सुधार भर नहीं है, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता, संसाधनों की बेहतर उपलब्धता और विद्यार्थियों के समग्र विकास के दृष्टिकोण से एक दूरदर्शी कदम है। इस नीति के दूरगामी प्रभाव छात्रों और उनके अभिभावकों के हित में साबित होंगे। हम आपको बता दें कि 50 से कम छात्रों वाले स्कूलों को पास के ज्यादा छात्रों वाले विद्यालयों में समायोजित कर शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाना ही इस नीति का मुख्य उद्देश्य है। साथ ही इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा इस नीति को चुनौती देने वाली याचिकाएं खारिज किया जाना इस नीति की वैधता का प्रमाण भी है।

स्कूलों को मर्ज करने की नीति का विरोध करने वालों को समझना चाहिए कि छोटे-छोटे विद्यालयों में अक्सर मूलभूत सुविधाओं की भारी कमी देखने को मिलती है। पुस्तकालय, प्रयोगशाला, खेल के मैदान, स्मार्ट क्लास, साफ पानी और शौचालय जैसी बुनियादी चीजों का भी अभाव होता है। जब दो या तीन स्कूलों को मर्ज कर एक बड़ा स्कूल बनाया जाएगा, तो संसाधनों का केन्द्रीयकरण होगा। इससे बच्चों को बेहतर शैक्षणिक माहौल, अच्छी बिल्डिंग, खेल-कूद और तकनीकी सुविधाएं प्राप्त होंगी।

इसके अलावा, अभी कई स्कूलों में एक या दो अध्यापक ही पूरे विद्यालय का भार उठा रहे हैं। इससे न तो शिक्षक विषय विशेषज्ञ बन पाते हैं और न ही बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलती है। मर्ज किए गए बड़े स्कूलों में विषयवार शिक्षक उपलब्ध कराना सरकार के लिए आसान होगा। इससे गणित, विज्ञान, अंग्रेजी जैसे कठिन विषयों में भी बच्चों को सही मार्गदर्शन मिल सकेगा।

साथ ही मर्जिंग के बाद स्कूलों में केवल छात्र संख्या ही नहीं बढ़ेगी, बल्कि प्रतियोगिता, नवाचार और गतिविधियों के अवसर भी बढ़ेंगे। बड़े स्कूलों में सामान्यतः बेहतर शैक्षणिक माहौल होता है, जिससे बच्चों के सीखने का स्तर स्वतः ही ऊपर उठता है। इससे बच्चों की नींव मजबूत होगी और आगे चलकर वे प्रतियोगी परीक्षाओं व कॅरियर में बेहतर प्रदर्शन कर पाएंगे।



इसके अलावा, ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में कई अभिभावक अपने बच्चों को प्राइवेट स्कूल में भेजने को मजबूर होते हैं, क्योंकि सरकारी स्कूल में शिक्षा स्तर कमज़ोर होता है। लेकिन जब सरकारी स्कूल ही बेहतर आधारभूत सुविधाओं और योग्य शिक्षकों से सुसज्जित होंगे, तो अभिभावकों का भरोसा इन स्कूलों पर बढ़ेगा। इससे शिक्षा पर उनका अतिरिक्त आर्थिक भार भी घटेगा।

इसके अलावा, कम स्कूलों का प्रबंधन करना सरकार और शिक्षा विभाग दोनों के लिए आसान होगा। निरीक्षण, ऑडिट और सुधारात्मक कदम जल्दी और प्रभावी ढंग से लिए जा सकेंगे। इससे विद्यालयों में जवाबदेही बढ़ेगी और भ्रष्टाचार या लापरवाही पर भी अंकुश लगेगा।

**शिक्षकों को क्या समझना चाहिए:** वहीं स्कूलों की मर्जर पॉलिसी को लेकर उत्तर प्रदेश के शिक्षक संगठनों और शिक्षकों के बीच जो भ्रम और विरोध की स्थिति देखी जा रही है, उससे ऐसा लगता है कि उन्हें इस नीति के उद्देश्यों से भलीभांति अवगत नहीं कराया गया है। इसलिए विशेषकर वे शिक्षक, जिनका स्थानांतरण (ट्रांसफर) दूर-दराज़ क्षेत्रों में होने की आशंका है, इस नीति को अपने भविष्य के लिए खतरा मानकर विरोध कर रहे हैं। लेकिन यदि वे इस नीति के दीर्घकालिक लाभों और शिक्षा व्यवस्था में इसके सकारात्मक प्रभाव को समझेंगे तो वह स्वयं स्वीकार करेंगे कि यह परिवर्तन उनके लिए नुकसान नहीं, बल्कि अवसरों के नए द्वार खोलने वाला है।

बहुत से शिक्षक सोच रहे हैं कि स्कूलों के मर्जर से उनके वर्तमान स्कूल बंद हो जाएंगे और उन्हें दूर के विद्यालयों में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। वह यह मानते हैं कि इससे उन्हें पारिवारिक, सामाजिक और दैनिक जीवन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। लेकिन ऐसी सोच रखने वाले शिक्षकों को अपना विरोध छोड़ देना चाहिए। उन्हें समझना चाहिए कि आज जिन छोटे स्कूलों में वह काम कर रहे हैं, वहाँ न तो पर्याप्त छात्र हैं और न ही आधारभूत सुविधाएँ। स्कूलों के मर्जर के बाद बड़े, बेहतर संसाधनयुक्त विद्यालयों में तैनाती मिलने से काम करने का वातावरण सुधरेगा। साफ-सुथरी बिल्डिंग, पुस्तकालय, प्रयोगशाला और डिजिटल क्लास जैसे संसाधन उपलब्ध होंगे।

इसके अलावा, जहाँ बच्चे अधिक होंगे, वहाँ शिक्षकों की जिम्मेदारी के साथ-साथ उनके अनुभव और दक्षता में भी वृद्धि होगी। ऐसे विद्यालयों में कार्य करते हुए शिक्षक नवाचार, प्रशिक्षण, डिजिटल लर्निंग जैसी योजनाओं से सीधे जुड़ेंगे। इससे उनके कॅरियर में प्रगति के द्वार खुलेंगे।

शिक्षकों को यह भी समझना चाहिए कि स्थानांतरण कोई दंड नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था के संतुलन का माध्यम है। जिन शिक्षकों को स्थानांतरित किया जाएगा, उन्हें भी बेहतर सुविधा वाले विद्यालयों में ही भेजा जाएगा। लंबे समय में यह व्यवस्था स्थिर होगी और अराजकता कम होगी।

देखा जाये तो एक शिक्षक का प्रथम कर्तव्य बच्चों के भविष्य को संवारना है। स्कूल मर्जर से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी, उनका ड्रॉपआउट रेट घटेगा और वे प्रतिस्पर्धी भविष्य के लिए तैयार होंगे। जब शिक्षा बेहतर होगी, तो शिक्षक का सम्मान भी स्वतः बढ़ेगा। इसके अलावा, छोटे-छोटे विद्यालयों में बिखरी शिक्षक शक्ति को एक जगह लाकर सामूहिक रूप से मजबूत किया जाएगा। इससे शिक्षा का स्तर ऊँचा होगा और शिक्षकों की भूमिका ज्यादा प्रभावशाली बनेगी।

देखा जाये तो विद्यालय विलय नीति से डरने या उसका विरोध करने का कोई तर्क नहीं है। बदलाव के हर कदम में प्रारंभिक कठिनाई होती है, लेकिन दूरदर्शिता रखने वाले शिक्षक समझते हैं कि यह नीति बच्चों के भविष्य, शिक्षकों की गरिमा और शिक्षा व्यवस्था की मजबूती के लिए जरूरी है। इसलिए शिक्षकों को चाहिए कि वे डर या भ्रम छोड़कर इस नीति का स्वागत करें और इसे अपने सुनहरे भविष्य के अवसर के रूप में देखें। सकारात्मक सोच के साथ परिवर्तन को अपनाना ही चाहिए क्योंकि यही भविष्य का आधार होता है।

**अभिभावकों को क्या समझना चाहिए:** अब जरा बात उन अभिभावकों की कर ली जाये जो अपने बच्चे के स्कूल के दूर हो जाने की चिंता से ग्रस्त हैं। देखा जाये तो अभिभावकों के मन में यह चिंता उठना स्वाभाविक ही है कि अब उनके बच्चे का स्कूल पहले से कुछ दूर हो जाएगा। ऐसे अभिभावक सोच रहे हैं कि बच्चों को रोज़ाना ज़्यादा दूरी तय करनी पड़ेगी, जिससे परेशानी बढ़ेगी। लेकिन वक्त की आवश्यकता यह है कि अभिभावकों को दूरी की चिंता छोड़कर अपने बच्चों के भविष्य पर ध्यान देना चाहिए। दरअसल आज के समय में यह देखना अधिक ज़रूरी है कि बच्चा जिस स्कूल में पढ़ रहा है वहाँ उसे कैसी शिक्षा, कैसी सुविधाएं और कैसे अवसर मिल रहे हैं। यदि स्कूल थोड़ा दूर है लेकिन वहाँ अच्छे शिक्षक, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, डिजिटल शिक्षा, खेलकूद और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के अवसर मिल रहे हैं तो यह दूरी बच्चों के भविष्य के सामने बिल्कुल छोटी बात है।

इसके अलावा, निकट का स्कूल अगर सुविधाविहीन, अध्यापकविहीन और कमजोर है, तो वहाँ पढ़ने वाले बच्चों का शैक्षणिक विकास बाधित होगा। जबकि कुछ किलोमीटर दूर का स्कूल अगर बच्चों को आधुनिक शिक्षा, अनुशासन और अवसर दे रहा है, तो वही बच्चा आगे चलकर आत्मनिर्भर और सफल बन पाएगा।

देखा जाये तो हर गाँव में छोटा-छोटा स्कूल खोल देने से शिक्षा मजबूत नहीं होती। एक ऐसा स्कूल जहाँ योग्य शिक्षक, बेहतर पढ़ाई, खेल का मैदान, आधुनिक लैब और स्मार्ट क्लास हो, बच्चों के विकास के लिए ज़्यादा ज़रूरी है। वहाँ बच्चे प्रतिस्पर्धा सीखेंगे, दोस्त बनाएंगे और बड़े सपनों के साथ आगे बढ़ेंगे। अभिभावकों को यह पता होना चाहिए कि ऐसी तमाम देशी-विदेशी रिपोर्टें हैं जिनमें कहा गया है कि भारत में बच्चों की शिक्षण गुणवत्ता एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। कई अध्ययनों से पता चलता है कि भारत में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार की आवश्यकता है, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में, जहां बच्चों को अच्छी गुणवत्ता वाली शिक्षा तक पहुंचने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इसलिए अभिभावकों को समझना होगा कि स्कूल की दूरी बढ़ना असली चुनौती नहीं है, असली चुनौती है अच्छी गुणवत्ता वाली शिक्षा मिलना।

अभिभावकों को समझना होगा कि आज भले ही बच्चा स्कूल जाने के लिए 2-3 किलोमीटर ज़्यादा चले, लेकिन जब वह अच्छे स्कूल में पढ़कर आत्मविश्वास से आगे बढ़ेगा, तो उसी माता-पिता को गर्व होगा कि उन्होंने अपने बच्चे को बेहतर शिक्षा दिलाने के लिए यह छोटा सा समझौता किया। अभिभावकों को समझना होगा कि आपका फर्ज सिर्फ यह नहीं कि बच्चा घर के नजदीक स्कूल में पढ़े। आपका सबसे बड़ा कर्तव्य है कि उसे ऐसा माहौल दें, जहाँ वह अच्छे शिक्षक, संसाधन और अवसर पाकर अपनी प्रतिभा को निखार सके। इसलिए स्कूल पास हो या दूर, अगर वहाँ पढ़ाई बेहतर है, तो वही सही विकल्प है। दूरी की नहीं, गुणवत्ता की चिंता करें। भविष्य तभी बदलेगा, जब शिक्षा मजबूत होगी। सबको समझना होगा कि उत्तर प्रदेश में विद्यालयों के विलय से शिक्षा का स्तर ऊपर उठेगा। बच्चों को वह सब मिलेगा, जो अभी बड़े शहरों के स्कूलों में मिलता है। अभिभावकों को चाहिए कि वे अपने बच्चों के सुनहरे भविष्य को प्राथमिकता दें, न कि केवल दूरी को। इसमें कोई दो राय नहीं कि शिक्षा का हर कदम भविष्य तक जाता है– चाहे रास्ता थोड़ा लंबा क्यों न हो। बहरहाल, देखा जाये तो विद्यालयों के विलय की यह नीति केवल ढांचागत सुधार नहीं है, बल्कि शिक्षा के स्तर को सुधारने, बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने और अभिभावकों के आर्थिक-सामाजिक हितों की रक्षा करने की दूरगामी सोच का हिस्सा है। यदि इसे पारदर्शिता से लागू किया गया, तो आने वाले वर्षों में उत्तर प्रदेश के सरकारी स्कूल निजी विद्यालयों की तुलना में कहीं अधिक मजबूत, प्रभावी और लोकप्रिय विकल्प बन सकते हैं।

# मुस्लिम आबादी में इजाफा, हिंदुओं की घट रही हैआबादी

(दिनेश मिश्र)

दुनिया में इस्लाम सबसे तेजी से बढ़ने वाला धर्म है। बीते वर्षों में इसे मानने वालों की संख्या में इजाफा हुआ है। इसी क्रम में मुसलमानों की आबादी तेजी से बढ़ रही है। दुनिया की आबादी पर नजर रखने वाली अमेरिकी संस्था प्यू रिचर्स सेंटर की एक नई रिसर्च के अनुसार, अगले कुछ दशकों में यह आबादी और भी तेजी से बढ़ेगी। इससे पहले प्यू रिसर्च की ही एक स्टडी के अनुसार, 2060 तक दुनिया में मुसलमानों की आबादी 70 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी। इसका मतलब है कि 2060 तक दुनिया में 300 करोड़ से ज्यादा मुसलमान होंगे। यह भी अनुमान है कि उस वक्त तक इस्लाम दुनिया का सबसे बड़ा धर्म बन जाएगा, जो ईसाई धर्म को पीछे छोड़ देगा। अभी दुनिया में ईसाई धर्म मानने वालों की आबादी सबसे ज्यादा है। ट्यूजडे ट्रीविया में इसे विस्तार से समझते हैं।

**एक दशक में ईसाइयों से ज्यादा बढ़ गए मुस्लिम:** प्यू रिचर्स सेंटर के मुताबिक, 2010 से 2020 के बीच मुस्लिमों की आबादी 34.7 करोड़ बढ़ गई। अब पूरी दुनिया में मुस्लिम आबादी 200 करोड़ के पार पहुंच चुकी है। वहीं, इस दौरान ईसाइयों की आबादी में 12.2 करोड़ का इजाफा हुआ, जो इस वक्त 230 करोड़ के पार हो चुकी है। वहीं, बौद्धों की आबादी 1.9 करोड़ कम हो गई, जो अब 32.4 करोड़ रह गई है। मुस्लिमों के मुकाबले गैर मुस्लिमों की आबादी इस दौरान 24.8 करोड़ ही बढ़ी, जो मुस्लिमों के इजाफे से काफी कम है।

**क्या 35 साल में दुनिया में होगा इस्लाम का राज!:** प्यू रिचर्स सेंटर के अनुसार, अभी दुनिया में ईसाई धर्म सबसे ज्यादा माना जाने वाला धर्म है। दुनिया की 730 करोड़ आबादी में से 31 प्रतिशत ईसाई हैं। इस्लाम दूसरे नंबर पर है और हिंदू धर्म तीसरे नंबर पर है। लेकिन प्यू रिचर्स की स्टडी के अनुसार, अगले 35 सालों में यह स्थिति बदल जाएगी। मुसलमानों की आबादी बहुत तेजी से बढ़ने वाली है। स्टडी में बताया गया है कि इस्लाम दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ने वाला धर्म है। यह लगातार बढ़ रहा है और 2060 तक मुसलमानों की संख्या सबसे ज्यादा हो जाएगी। यहां राज शब्द का इस्तेमाल राजनीतिक या सामाजिक प्रभुत्व के अर्थ में किया गया है।

**मुसलमानों की आबादी बढ़ने के पीछे ये हैं बड़े कारण:** मुसलमानों की आबादी तेज से बढ़ने के पीछे तीन मुख्य कारण हैं-युवा आबादी, ज्यादा बच्चे पैदा होना और धर्म परिवर्तन। दुनिया की आबादी 2060 तक लगभग 32 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। लेकिन मुसलमानों की आबादी 70प्रतिशत तक बढ़ सकती है, जो कि दुनिया के औसत से दोगुना है। प्यू रिसर्च सेंटर की एक रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया में मुसलमानों की आबादी बढ़ने के पीछे सबसे बड़ा कारण उसका युवा होना।

**दुनिया में मुस्लिम आबादी ज्यादा युवा :** प्यू रिचर्स की स्टडी में 2015 से 2060 के बीच के 45 सालों का अनुमान लगाया गया है। 2015 में दुनिया में मुसलमानों की आबादी 180 करोड़ थी। यह अनुमान है कि 2060 तक यह 300 करोड़ को पार कर जाएगी। प्यू रिचर्स सेंटर ने 2010 में एक रिपोर्ट जारी की थी। इस रिपोर्ट में बताया गया था कि दुनिया की मुस्लिम आबादी में से 34 फीसदी 15 साल से कम उम्र के हैं। वहीं, 60 फीसदी 15 से 59 साल के बीच हैं। महज 7 फीसदी मुस्लिम आबादी ही 60 साल या उससे ज्यादा उम्र की है।

**भारत में मुसलमानों की स्थिति क्या होगी:** भारत में मुसलमानों की आबादी में थोड़ी बढ़ोतरी होगी। प्यू रिचर्स सेंटर की रिपोर्ट के अनुसार, 2060 तक भारत की आबादी में मुसलमानों की हिस्सेदारी 19.4 प्रतिशत हो जाएगी, जबकि 2015 में यह 14.9 प्रतिशत थी। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि अगले 36 सालों में भारत में मुसलमानों की आबादी 33 करोड़ हो जाएगी।

**हिंदुओं की आबादी सिर्फ 27 फीसदी बढ़ेगी:** प्यू रिसर्च सेंटर की रिपोर्ट में यह भी अनुमान लगाया गया है कि अगले कुछ वर्षों में ईसाइयों की आबादी 34त्न बढ़ेगी, जबकि हिंदुओं की आबादी सिर्फ 27 प्रतिशत बढ़ेगी। यह दुनिया की आबादी बढ़ने की औसत दर से कम है। अभी ईसाई और हिंदू धर्म को मानने वाले लोग दुनिया की आबादी का क्रमशः 34 प्रतिशत और 15 प्रतिशत हैं। इस रिपोर्ट से पता चलता है कि दुनिया में धार्मिक जनसंख्या में बदलाव हो रहा है।

**कितनी तेजी से बढ़ रही है मुस्लिम आबादी :** प्यू रिसर्च सेंटर ने दुनिया के 201 देशों की आबादी का अध्ययन किया है। उसके अनुसार, पूरी दुनिया में मुस्लिम आबादी तेजी से बढ़ रही है। वहीं, ईसाइयों की आबादी तेजी से सिकुड़ रही है। महज 10 साल में ही ईसाई आबादी में काफी कमी आई है। 2010 में मुस्लिम आबादी दुनिया की आबादी का 23.9 फीसदी और ईसाई आबादी 30.6 फीसदी थी। वहीं, 2020 में मुस्लिम आबादी पूरी दुनिया की 25.6 फीसदी और ईसाइयों की आबादी 28.6 फीसदी हो गई। (यह लेखक के अपने विचार हैं)

# कैलाश मानसरोवर यात्रा 2025 की घोषणा तीर्थयात्रा से कहीं अधिक क्यों मायने रखती है?

**विदेश मंत्रालय ने बताया कि इस वर्ष कैलाश मानसरोवर यात्रा जून से अगस्त तक होगी। मंत्रालय ने कहा, इस साल, पांच बैच जिनमें से प्रत्येक में 50 यात्री होंगे और 10 बैच जिनमें से प्रत्येक में 50 यात्री होंगे, क्रमशः उत्तराखंड राज्य से लिपुलेख दर्रे को पार करते हुए और सिक्किम राज्य से नाथू ला दर्रे को पार करते हुए यात्रा करने वाले हैं. आवेदनों की स्वीकृति के लिए वेबसाइट खोल दी गई है. आवेदकों में से यात्रियों का चयन निष्पक्ष, कंप्यूटर द्वारा तैयार रैंडम और लिंग-संतुलित चयन प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा।**

(अरुनिम भैय्यन)

महामारी संबंधी व्यवधानों, कूटनीतिक चुनौतियों और विकसित भू-राजनीतिक गतिशीलता से भरे अंतराल के बाद, भारत सरकार द्वारा 2025 में कैलाश मानसरोवर यात्रा की घोषणा एक पवित्र तीर्थयात्रा मार्ग को फिर से खोलने से कहीं अधिक है।

यह सांस्कृतिक कूटनीति, सॉफ्ट पावर और आध्यात्मिक तथा राष्ट्रवादी भावनाओं के प्रति घरेलू पहुंच का एक जानबूझकर किया गया मिश्रण दर्शाता है. जैसे-जैसे तैयारियां शुरू होती है यह कदम आने वाले वर्ष के लिए भारत की व्यापक क्षेत्रीय रणनीतियों और आंतरिक प्राथमिकताओं के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करता है।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि इस वर्ष कैलाश मानसरोवर यात्रा जून से अगस्त तक होगी। मंत्रालय ने कहा, इस साल, पांच बैच जिनमें से प्रत्येक में 50 यात्री होंगे और 10 बैच जिनमें से प्रत्येक में 50 यात्री होंगे, क्रमशः उत्तराखंड राज्य से लिपुलेख दर्रे को पार करते हुए और सिक्किम राज्य से नाथू ला दर्रे को पार करते हुए यात्रा करने वाले हैं. आवेदनों की स्वीकृति के लिए वेबसाइट खोल दी गई है. आवेदकों में से यात्रियों का चयन निष्पक्ष, कंप्यूटर द्वारा तैयार रैंडम और लिंग-संतुलित चयन प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा।

मंत्रालय ने आगे कहा कि आवेदकों को जानकारी प्राप्त करने के लिए पत्र या फैक्स भेजने की आवश्यकता नहीं है. वेबसाइट पर फीडबैक विकल्पों का उपयोग जानकारी प्राप्त करने, टिप्पणियां दर्ज करने या सुधार के लिए सुझाव देने के लिए किया जा सकता है. शनिवार की यह घोषणा विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल द्वारा इस महीने की शुरुआत में मीडिया ब्रीफिंग के दौरान दिए गए बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि तीर्थयात्रा इस वर्ष होगी।

2025 के लिए कैलाश मानसरोवर यात्रा के बारे में भारत सरकार की घोषणा भारत-चीन संबंधों में सूक्ष्म पुनर्संतुलन का संकेत देती है. क्षेत्रीय अस्थिरता और वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अभी भी कुछ अनसुलझे तनावों के समय में आने वाला यह कदम बीजिंग के दृष्टिकोण और नई दिल्ली की रणनीतिक सोच की गहन जांच को आमंत्रित करता है।

पिछले महीने बीजिंग में आयोजित भारत-चीन सीमा मामलों पर परामर्श और समन्वय के लिए कार्य तंत्र की 33वीं बैठक में यह मुद्दा प्रमुखता से उठा था. भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव (पूर्वी एशिया) गौरांगलाल दास ने किया, जबकि चीनी पक्ष का नेतृत्व चीनी विदेश मंत्रालय के सीमा और महासागरीय मामलों के विभाग के महानिदेशक हांग लियांग ने किया।

बैठक के बाद जारी प्रेस विज्ञप्ति में विदेश मंत्रालय ने बताया कि चर्चा 'सकारात्मक और रचनात्मक माहौल' में हुई. इसमें एलएसी पर स्थिति की व्यापक समीक्षा की गई. बयान में इस बात पर जोर दिया गया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और स्थिरता द्विपक्षीय संबंधों के समग्र विकास के लिए आवश्यक है। दोनों पक्षों ने दिसंबर 2024 में बीजिंग में आयोजित 23वीं विशेष प्रतिनिधि बैठक के परिणामों को लागू करने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया और राजनयिक और सैन्य संचार चैनलों को बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की. उन्होंने सीमा पार नदियों और कैलाश मानसरोवर यात्रा पर सहयोग सहित सीमा पार आदान-प्रदान को जल्द से जल्द फिर से शुरू करने पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

कैलाश मानसरोवर यात्रा- तिब्बत में पवित्र कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील की तीर्थयात्रा - हिंदुओं, बौद्धों, जैनियों और बॉन अनुयायियों के लिए बहुत धार्मिक महत्व रखती है. 19500 फीट की ऊंचाई पर सबसे चुनौतीपूर्ण इलाकों में से कुछ को पार करते हुए तीर्थयात्रा न केवल आस्था बल्कि शारीरिक सहनशक्ति का भी परीक्षण करती है. इसमें तीर्थयात्रियों को मौसम में बदलाव और ऊबड़-खाबड़ रास्तों को सहना पड़ता है। यात्रा का प्रबंधन विदेश मंत्रालय द्वारा किया जाता है. यह वैध पासपोर्ट रखने वाले भारतीय नागरिकों के लिए खुला है और इसे भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), कुमाऊं मंडल विकास निगम (केएमवीएन) और सिक्किम पर्यटन विकास निगम (एसटीडीसी) सहित कई एजेंसियों के समन्वय से संचालित किया जाता है. दिल्ली हार्ट एंड लंग इंस्टीट्यूट तीर्थयात्रियों की फिटनेस का आकलन करने के लिए कठोर चिकित्सा जांच करता है।

भारत सरकार इस बात पर जोर देती है कि तीर्थयात्री अपने जोखिम और खर्च कर यात्रा करते हैं. साथ ही जान-माल की हानि, चोट या संपत्ति के नुकसान के लिए कोई जिम्मेदारी नहीं लेता है. उल्लेखनीय है कि तीर्थयात्रियों की मृत्यु की स्थिति में चीनी पक्ष में दाह संस्कार के लिए सहमति पत्र पर हस्ताक्षर करने की आवश्यकता होती है, क्योंकि पार्थिव शरीर को वापस लाने की गारंटी नहीं होती है।

हालांकि यात्रा तक पहुंच अक्सर द्विपक्षीय संबंधों में उतार-चढ़ाव के कारण प्रभावित होती रही है. 2017 में चीन ने प्रतिकूल मौसम की स्थिति का हवाला देते हुए भारतीय तीर्थयात्रियों को नाथू ला दर्रे से प्रवेश करने से रोक दिया, जिससे लगभग 47 तीर्थयात्री प्रभावित हुए और राजनयिक आदान-प्रदान शुरू हो गया. 2023 में बीजिंग द्वारा उच्च शुल्क और अनिवार्य बायोमेट्रिक डेटा संग्रह सहित सख्त शर्तें लागू करने की रिपोर्टें सामने आई, जिससे तीर्थयात्रा और भी जटिल हो गई।

चीन द्वारा उठाए गए ऐसे कदम अक्सर भू-राजनीतिक तनाव के दौर के समानांतर ही देखे गए हैं. यात्रा पर प्रतिबंधों को अक्सर सिर्फ रसद संबंधी बाधाओं के तौर पर नहीं बल्कि व्यापक भारत-चीन संबंधों की स्थिति को दर्शाते राजनीतिक संकेतों के तौर पर देखा जाता है।

सबसे हालिया व्यवधान 2020 के लद्दाख सीमा गतिरोध के दौरान आए थे, लेकिन अक्टूबर 2024 में कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बैठक के बाद संबंधों में धीरे-धीरे सुधार हुआ. इस पृष्ठभूमि में कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करना दो एशियाई दिग्गजों के बीच एक नाजुक विश्वास के पुनर्निर्माण की दिशा में एक सतर्क लेकिन सार्थक कदम के रूप में देखा जा रहा है। यूसनस फाउंडेशन थिंक टैंक के संस्थापक निदेशक और सीईओ अभिनव पंड्या के अनुसार कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करना एक बड़ा कदम है जिसका सभी को स्वागत करना चाहिए. पांड्या ने मीडिया से कहा, यह एक ऐसा मामला है जो हिंदू समुदाय के लिए हमेशा से भावनात्मक रहा है।

चीन द्वारा कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करने पर सहमति जताना यह दर्शाता है कि चीन भारत का एक सभ्यतागत शक्ति के रूप में सम्मान करता है. यह भारत और चीन के बीच मित्रता और ऐतिहासिक संबंधों का भी प्रतीक है. इसका एक बहुत ही सभ्यतागत आयाम है. दूसरे उन्होंने कहा कि यात्रा की बहाली से पता चलता है कि भारत-चीन सीमा पर चीजें शांति की ओर बढ़ रही हैं और वास्तविक अर्थों में तनाव में कमी आई है। पांड्या ने कहा, तीसरा यह बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि हमारे पाकिस्तान के साथ रिश्ते बहुत तनावपूर्ण हैं, खासकर पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले के बाद. ऐसा लगता है कि भारत पाकिस्तान के खिलाफ किसी तरह की बड़ी आक्रामक या जवाबी कार्रवाई करने जा रहा है. और उस पृष्ठभूमि में अगर चीन कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू कर रहा है तो यह संकेत देता है कि बीजिंग भारत के राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुंचाने के लिए इस्लामाबाद के साथ काम नहीं करेगा। शिलांग स्थित एशियन कॉन्फ्लुएंस थिंक टैंक के फेलो के. योमे के अनुसार चीन द्वारा यात्रा को फिर से शुरू करने की अनुमति को अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की वापसी के परिप्रेक्ष्य में भी देखा जाना चाहिए. योम ने कहा, मुझे लगता है कि यह उस नए दृष्टिकोण का हिस्सा है. एक स्तर पर भारत और चीन दोनों ही अमेरिका से आने वाली आर्थिक चुनौतियों को देखते हैं. दोनों पक्षों को अमेरिका में हो रहे राजनीतिक बदलावों के कारण कुछ हद तक संबंध बनाए रखने की आवश्यकता है।

# सफलता की कहानी : प्रधानमंत्री आवास योजना ने बदली कुंती बाई की जिंदगी, आत्मसम्मान के साथ जीने लगी नया जीवन

## ग्राम झाल, बेमेतरा की एक प्रेरणादायक सफलता की कहानी

**बेमेतरा/मूक पत्रिका**

जिला, जो छत्तीसगढ़ का एक प्रमुख कृषि प्रधान जिला है, विकास के पथ पर लगातार अग्रसर है। इसी जिले के बेमेतरा विकासखण्ड के उत्तर दिशा में मात्र 8 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम झाल में निवास करने वाली कुंती बाई पति शिव सिंह की कहानी आज पूरे गांव के लिए प्रेरणा बन गई है। कुंती बाई एक अत्यंत गरीब मजदूर वर्ग की महिला हैं, जो वर्षों से अपने परिवार के साथ एक जर्जर खपरैल वाले कच्चे मकान में जीवनयापन कर रही थीं। हवा, पानी, गर्मी और बरसात जैसे मौसम में उन्हें असंख्य कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। परंतु इन कठिनाइयों को पीछे छोड़ते हुए आज वे अपने नवनिर्मित पक्के मकान में आत्मसम्मान के साथ जीवन जी रही हैं और यह संभव हो पाया है केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के माध्यम से। स्थायी प्रतीक्षा सूची से मिला आशियाना-कुंती बाई का नाम आर्थिक-सामाजिक जनगणना 2011 के आधार पर प्रधानमंत्री आवास योजना की स्थायी प्रतीक्षा सूची में शामिल किया गया था। अंततः वित्तीय वर्ष 2024-25 में जनपद पंचायत बेमेतरा द्वारा उन्हें आवास निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई। आज उनका पक्का आवास बनकर पूरी तरह तैयार है और वे उसमें परिवार के साथ गर्वपूर्वक रह रही हैं।

**योजनाओं का समग्र लाभ ङ्क बदली जीवन की दिशा**-प्रधानमंत्री आवास योजना के साथ-साथ उन्हें केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का भी लाभ मिला है, जिससे उनके जीवन की गुणवत्ता में बहुआयामी सुधार आया है 7 स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत अब उन्हें स्वच्छता का पूरा लाभ मिल रहा है। सौभाग्य योजना के माध्यम से घर में बिजली की सुविधा उपलब्ध है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत उन्हें सस्ते दर पर खाद्यान्न प्राप्त हो रहा है। अब परिवार गंभीर बीमारी की स्थिति में भी उपचार हेतु सुरक्षित है। रसोई के लिए मुफ्त गैस कनेक्शन मिलने से धुएं से मुक्ति और स्वास्थ्य में सुधार हुआ है।

**गांववालों के लिए बनी प्रेरणा**-आज जब गांव वाले कुंती बाई के नये पक्के घर को देखकर उनकी पुरानी जिंदगी की चर्चा करते हैं, तो सबके चेहरों पर संतोष और सरकार के प्रति आभार का भाव होता है। कुंती बाई का कहना है की अब हमें हर मौसम में डरने की जरूरत नहीं है, हमारा अपना घर है, सुरक्षित, मजबूत और आत्मसम्मान से भरा। शासन की योजनाएं सही पात्र व्यक्ति तक पहुंचती हैं, तो वह न केवल किसी एक परिवार की बल्कि पूरे समाज की दिशा बदल सकती हैं।

# महापौर संजय पांडे के नेतृत्व में जगदलपुर आदर्श शहर के रूप में विकसित होगा- राजस्व सभापति संग्राम सिंह राणा

- महापौर संजय पांडे के नेतृत्व मे स्वच्छता सर्वेक्षण में जगदलपुर नगर निगम ने लगाई लंबी छलांग ङ्क देश में 15 वां और राज्य में दूसरा स्थान प्राप्त-- राजस्व सभापति संग्राम सिंह राणा

**जगदलपुर/मूक पत्रिका**

महापौर संजय पांडेय एवं उनकी टीम की सक्रियता और दूरदर्शी नेतृत्व के चलते जगदलपुर नगर निगम ने स्वच्छता सर्वेक्षण में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। देशभर में जहां पहले जगदलपुर की रैंक 107 वीं थी,वहीं इस वर्ष यह बढ़कर 15 वें स्थान पर पहुँच गई है। छत्तीसगढ़ राज्य में नगर निगम को दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है। यह हमारे लिए गर्व की बात है। नगर सरकार के गठन के मात्र चार महीनों के भीतर यह बड़ी उपलब्धि हासिल करना एक मिसाल बन चुकी है। स्वच्छता सर्वेक्षण के कुल 12,500 अंकों में से 10,440 अंक अर्जित कर नगर निगम ने अपनी प्रतिबद्धता को सिद्ध किया है। यह सफलता वन मंत्री केदार कश्यप, जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव, सांसद महेश कश्यप,महापौर संजय पांडेय, निगम अध्यक्ष खेम सिंह देवांगन, एमआईसी सदस्य गण एवं उनके प्रशासनिक अमले, सफाई मित्रों, सफाई दीदियों, समस्त वार्ड पार्षदों,अधिकारियों,कर्मचारियों और सबसे बढ़कर आम जनता के सहयोग से संभव हुई है। ÷यह सिर्फ एक रैंक नहीं, बल्कि जगदलपुर के नागरिकों की मेहनत और स्वच्छता के प्रति जागरूकता का परिणाम है। हम अगले वर्ष देश के टॉप 3 स्वच्छ शहरों में जगदलपुर को शामिल होंगे। राजस्व सभापति संग्राम सिंह राणा ने महापौर संजय पांडे के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा, ÷महापौर संजय पांडे ने जो कार्य स्वच्छता को लेकर किया है, उसे शब्दों में बयां करना कठिन है। आने वाले समय में जगदलपुर नगर निगम एक कचरा मुक्त, सुंदर और आदर्श शहर के रूप में देश के सामने उदाहरण बनेगा।÷ नगर निगम की यह सफलता स्वच्छता के प्रति नागरिकों की बदलती सोच और प्रशासन की सक्रियता का प्रतीक है। इस उपलब्धि से बस्तर ही नहीं, पूरे छत्तीसगढ़ को गर्व की अनुभूति हो रही है।

# जिले में विधानसभा स्तर पर संपन्न हुआ बीएलओ प्रशिक्षण कार्यक्रम

- मतदाता सूची के त्रुटिरहित निर्माण हेतु बूथ लेवल अधिकारियों को दिया गया गहन प्रशिक्षण, पर्यवेक्षक ने किया निरीक्षण

**बेमेतरा/मूक पत्रिका**

भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार जिले में विधानसभा स्तर पर बूथ लेवल अधिकारियों एवं सुपरवाइजरों के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण 10 जुलाई से 17 जुलाई 2025 तक जनपद पंचायत बेमेतरा, बेरला, साजा एवं नवागढ़ के सभाकक्षों में आयोजित किया गया, जिसमें जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों के ङ्कह एवं सुपरवाइजरों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक सटीक, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाना था। आयोग द्वारा ङ्कह की क्षमता संवर्धन पर विशेष ध्यान देते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम को व्यवस्थित रूप से संचालित किया गया। प्रत्येक विधानसभा में 50-50 बिएलओ के बैच में एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान विधानसभा स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स द्वारा पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से अधिकारियों को उनकी नियुक्ति, कार्य, दायित्व, एवं उनसे अपेक्षित व्यवहार के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में भारतीय संविधान और निर्वाचन संबंधी कानूनी प्रावधानों पर भी प्रकाश डाला गया।प्रशिक्षण में निम्न प्रमुख बिंदुओं पर विशेष रूप से ध्यान दिया गया, जिसमे मतदाता सूची अपडेट करने की प्रक्रियाएं, फॉर्म-6 (नया नाम जोड़ने हेतु), फॉर्म-7 (नाम हटाने हेतु), एवं फॉर्म-8 (संशोधन हेतु) भरने का अभ्यास, घर-घर सर्वेक्षण के दौरान अपेक्षित शिष्टाचार और भूमिका निर्वहन पर केंद्रित रोलप्ले व केस स्टडी, फॉर्म प्रबंधन की तकनीकी जानकारी और फार्म सत्यापन की प्रक्रिया आदि शामिल.

इस अवसर पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रणबीर शर्मा द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बेमेतरा ने जनपद पंचायत बेमेतरा में आयोजित प्रशिक्षण सत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रशिक्षण व्यवस्था, भागीदारी, व प्रशिक्षण सामग्री की गुणवत्ता की सराहना की तथा अधिकारियों से फील्ड में ईमानदारी व सक्रियता से कार्य करने के निर्देश दिए । प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थित बूथ लेवल अधिकारियों को निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित प्रारूप में आईडी कार्ड एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। जिला प्रशासन द्वारा यह प्रयास किया गया है कि आगामी समय में मतदाता सूची अधिक प्रमाणिक, अद्यतन और समावेशी बने, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हर योग्य नागरिक की भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

# दिव्यांगजन विवाह प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत आर्थिक सहायता का लाभ लेने दिव्यांगजन आगे आएं

- समाज कल्याण विभाग समन्वय कर अन्य विभागों की योजनाओं से भी दिला रहा लाभ

**बेमेतरा/मूक पत्रिका**

समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित दिव्यांगजन विवाह प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत जिले में दिव्यांग हितग्राहियों को विवाह उपरांत आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। योजना का उद्देश्य दिव्यांग जनों के सामाजिक पुनर्वास को बढ़ावा देना तथा उन्हें आजीविका में प्रारंभिक सहायता प्रदान करना है। इस योजना के तहत 18 से 45 वर्ष की आयु के वे दिव्यांग पुरुष, जो आयकर दाता की श्रेणी में नहीं आते हैं, यदि किसी सामान्य व्यक्ति से विवाह करते हैं तो उन्हें ?50,000/- की एकमुश्त सहायता राशि दी जाती है। वहीं, यदि वर और वधु दोनों ही दिव्यांग हों, तो उन्हें ?1,00,000/- की एकमुश्त आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। यह सहायता राशि विवाह के 6 माह के भीतर आवेदन करने पर ही दी जाएगी। जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना तथा अंतरजातीय विवाह प्रोत्साहन योजना पहले से संचालित की जा रही है। विभाग द्वारा चिन्हित हितग्राहियों में यदि कोई दिव्यांग व्यक्ति भी शामिल है, तो उन्हें समाज कल्याण विभाग की दिव्यांगजन विवाह प्रोत्साहन योजना का भी लाभ दिलाया जा सकता है। इसके लिए दोनों विभागों के मध्य समन्वय स्थापित किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक पात्र हितग्राही इस योजना से लाभान्वित हो सकें। समाज कल्याण विभाग द्वारा गत वर्ष लाभान्वित दिव्यांग हितग्राहियों की जानकारी संबंधित विभागों को प्रेषित की गई है, जिससे योजना की व्यापकता और पारदर्शिता बनी रहे। साथ ही, जिला स्तर पर आयोजित विभिन्न जनकल्याण शिविरों एवं जागरूकता कार्यक्रमों में इस योजना का प्रचार-प्रसार किया जाएगा, ताकि दिव्यांगजन इस महत्वपूर्ण योजना से अवगत हो सकें और विवाह के उपरांत उन्हें समय पर सहायता राशि प्राप्त हो। समाज कल्याण विभाग ने दिव्यांगजनों से अपील की है कि वे इस योजना का लाभ उठाने हेतु अपने आवेदन निर्धारित समय सीमा के भीतर विभाग में जमा करें।

# कृषि महाविद्यालय ढोलिया में एक दिवसीय रक्तदान शिविर सम्पन्न, छात्रों ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

**बेमेतरा/मूक पत्रिका**

रेवेन्द्र सिंह वर्मा कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र ढोलिया में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) प्रभारी के संयोजन में ÷एक दिवसीय रक्तदान शिविर÷ का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर का आयोजन महाविद्यालय परिसर में जिला स्वास्थ्य विभाग की टीम के सहयोग से किया गया, जो कि महाविद्यालय में एनएसएस के अंतर्गत आयोजित किया गया पहला रक्तदान शिविर था। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य मानवता की सेवा को प्रोत्साहित करना एवं युवाओं को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित करना रहा। इस अवसर पर अधिष्ठाता ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि नियमित रक्तदान करने से न केवल किसी की जान बचाई जा सकती है, बल्कि यह रक्तदाता की सेहत के लिए भी लाभकारी होता है। इससे शरीर में आयरन की मात्रा संतुलित रहती है और दिल की सेहत बेहतर होती है। रक्तदान शिविर में महाविद्यालय के 20 से अधिक अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थीगण की सक्रिय उपस्थिति रही और सभी ने सामूहिक रूप से इस मानवीय पहल को सफल बनाया।

# लोन के नाम पर 1.25 लाख की धोखाधड़ी महिला आरोपी गिरफ्तार

**कांकेर/मूक पत्रिका**

कांकेर में लोन दिलाने के नाम पर एक महिला के साथ धोखाधड़ी का मामला सामने आया है, जिसमें आरोपी ने पीड़िता के बैंक खाते से उसकी सहमति के बिना 1.25 लाख रुपये निकाल लिए। पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रार्थीया श्रीमती द्रोपती सलाम (उम्र 50 वर्ष), निवासी ईमलीपारा, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी कांकेर, ने थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई कि लगभग एक वर्ष पूर्व उसने गीता नायक निवासी बारगरी नयापारा, चारामा को अपना पर्सनल डॉक्युमेंट और दो सुरक्षा चेक दिए थे। इसका उद्देश्य था, गीता द्वारा धमतरी निवासी तरुण साहू के माध्यम से लोन प्रक्रिया कराना। हालांकि, किसी कारणवश लोन स्वीकृत नहीं हुआ। इसके बावजूद, प्रार्थीया द्वारा दिए गए एसबीआई बैंक के दो ब्लैंक चेक में से एक का दुरुपयोग करते हुए 11 जुलाई 2025 को 1,25,000 रुपये की निकासी की गई। प्रकरण में एफआईआर संख्या 209/25, धारा 318 (4), 316(2) भारतीय न्याय संहिता (ङ्कह्रस्) के अंतर्गत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बैंक स्टेटमेंट और सीसीटीवी फुटेज जब्त किए।मुखबिर की सूचना पर आरोपी गीता नायक को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जहाँ उसने स्वीकार किया कि वह प्रार्थीया के खाते से चेक के माध्यम से राशि आहरित कर चुकी है। आरोपी ने बताया कि निकाली गई राशि को उसने उधारी चुकाने और अपनी व्यक्तिगत जरूरतों में खर्च कर दिया। आरोपी गीता नायक को 18 जुलाई 2025 को विधिवत गिरफ्तार कर, रिमांड फार्म तैयार कर माननीय न्यायालय कांकेर में पेश किया गया। पुलिस का कहना है कि मामले की आगे भी विवेचना जारी है और यदि किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता सामने आती है, तो उस पर भी कार्रवाई की जाएगी।

# निःशुल्क कैंसर जांच एवं परामर्श शिविर का सफल आयोजन, 36 मरीजों की हुई जांच

**बेमेतरा/मूक पत्रिका**

कलेक्टर रणबीर शर्मा के मार्गदर्शन मे जिला चिकित्सालय (एम.सी.एच. बिल्डिंग) में निःशुल्क कैंसर जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर बाल्को मेडिकल सेंटर रायपुर एवं जिला स्वास्थ्य समिति बेमेतरा के संयुक्त तत्वावधान में प्रातः 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित हुआ। शिविर में कुल 36 मरीजों की स्क्रीनिंग की गई, जिनमें 26 पुरुष एवं 10 महिलाएं शामिल थीं। इनमें से 3 मरीज पहले से उपचाररत (अंडर ट्रीटमेंट) थे। कैंप में संदिग्ध कैंसर लक्षणों वाले मरीजों की जांच की गई, जिसमें 11 पेप स्मीयर एवं 6 मैमोग्राफी सैंपल लिए गए और जांच हेतु भेजे गए।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमृत लाल रोहडेलकर स्वयं कैंप में उपस्थित रहे एवं संभावित कैंसर लक्षणों से पीड़ित मरीजों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया तथा कैंसर से न घबराने की सलाह देते हुए शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। सिविल सर्जन डॉ. लोकेश साहू ने भी कैंप में पहुंचकर मरीजों से संवाद किया। बाल्को मेडिकल सेंटर रायपुर से प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ. दिवाकर पाण्डेय, आर.एम.ओ. डॉ. हेमलता, कैंसर नेविगेटर इंद्र कुमार साहू एवं उनकी टीम ने विशेषज्ञ सेवाएं प्रदान कीं। शिविर का सफल संचालन अस्पताल प्रमुख सलाहकार डॉ. स्वाति यदु एवं उनके सहयोगी स्टाफद्वारा किया गया। शिविर में उपस्थित समस्त मरीजों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। यह कैंप ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से आए मरीजों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ।

**आंगनबाड़ी बना नन्हें बच्चों का खुशहाल संसार, खेल-खेल में हो रहा जीवन मूल्यों का संचार, शिक्षा, पोषण और संस्कार का समन्वयः बोइरकछरा आंगनबाड़ी बना बाल विकास का आदर्श केंद्र**

# बोइरकछरा आंगनबाड़ी केंद्र बना नन्हें बच्चों के सर्वांगीण विकास का मंच, खेल-खेल में दी जा रही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

**बेमेतरा/मूक पत्रिका**

कलेक्टर रणबीर शर्मा के मार्गदर्शन और सतत निगरानी में जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों की कार्यप्रणाली में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिल रहा है। उन्होंने समय-समय पर इन केंद्रों का निरीक्षण कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पोषण और स्वच्छता व्यवस्था को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर शर्मा का मानना है कि आंगनबाड़ी केंद्रों को बच्चों के सर्वांगीण विकास का सशक्त मंच बनाना हमारी प्राथमिकता है। बोइरकछरा जैसे केंद्रों की उत्कृष्टता अन्य केंद्रों के लिए आदर्श और प्रेरणा बन रही है। नन्हे नन्हे बच्चे देश का भविष्य, उम्मीद और आशाओं के दीप हैं। इन्हीं भविष्य के दीपों को ज्ञान, संस्कार और पोषण की लौ से आलोकित करने का कार्य जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों में सतत रूप से किया जा रहा है। ऐसा ही एक अनुकरणीय उदाहरण है आंगनबाड़ी केंद्र बोइरकछरा, परिक्षेत्र प्रातापुर, जहां नन्हे बच्चों को खेल-खेल में शिक्षा दी जा रही है। यह केंद्र अब सिर्फ शिक्षण स्थल नहीं, बल्कि बच्चों के लिए एक प्ले स्कूल एवं प्री-नर्सरी की तरह विकसित हो गया है, जहां उनके बौद्धिक, मौखिक, शारीरिक, रचनात्मक और सामाजिक कौशल का समुचित विकास सुनिश्चित किया जा रहा है। आंगनबाड़ी केंद्र में अक्षरज्ञान के साथ-साथ बच्चों को कविताएं, कहानियां, गीत और अच्छी आदतें सिखाई जा रही हैं। बच्चों ने ÷रात को जल्दी सोना सीखो, सुबह को जल्दी उठना÷, ÷मछली जल की रानी है÷, ÷प्यासा कौआ÷, ÷आलू कचालू÷, ÷पानी बरसा छम छम छम÷ जैसी बाल-रचनाएं कंठस्थ कर ली हैं। दीवारों पर बनाए गए आकर्षक शैक्षणिक पेंटिंग्स के माध्यम से बच्चों में पढ़ाई के प्रति रुचि विकसित की जा रही है। इन चित्रों को देखकर बच्चे उत्साहपूर्वक गतिविधियों में भाग लेते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र न केवल प्रारंभिक शिक्षा का माध्यम बन गए हैं, बल्कि ÷लड़का-लड़की एक समान÷, ÷अच्छी बातें÷, ÷वजन की रेखा जितनी अच्छी, उतना बच्चा अच्छा÷, जैसे संदेशों के माध्यम से समाज में जागरूकता भी फैला रहे हैं। यहां गर्भवती महिलाओं को पोषक भोजन प्रदान किया जा रहा है और गर्भावस्था के दौरान देखभाल संबंधी आवश्यक जानकारियां दी जा रही हैं। बोइरकछरा आँ.बा. केंद्र में मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना, महतारी वंदन योजना, नोनी सुरक्षा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना तथा महिला सक्षम कोष जैसी महिला एवं बाल विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन प्रभावी ढंग से किया जा रहा है। जिला कार्यक्रम अधिकारी चंद्रबेश सिसोदिया ने जानकारी दी कि शासन की पूरक पोषण आहार योजना के माध्यम से जिले में कुपोषण मुक्ति का लक्ष्य पूरा करने हेतु सतत प्रयास जारी हैं। केंद्र में बच्चों को प्रतिदिन पोषक आहार जैसे हरा पत्तेदार साग-सब्जी, मूंगा भाजी पाउडर, दाल-भात, रोटी-सब्जी, समय पर नाश्ता प्रदान किया जा रहा है। वहीं, गर्भवती महिलाओं को गरम एवं ताजा भोजन भी दिया जाता है। किशोरी बालिकाओं को स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है।सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र बोइरकछरा में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखते हुए किचन रूम व स्टोर रूम की नियमित सफाई की जाती है। बच्चों के लिए कैरी बैग की व्यवस्था की गई है, जिन पर बच्चों के नाम अंकित हैं और वे अपने बनाएं हुए कागज के फूल, एबीसीडी, हिंदी वर्णमाला, चित्रकला आदि को इनमें सहेजते हैं। साथ ही, बच्चों के जन्मदिन को याद रखने हेतु 'मोर जन्म दिन' कैलेण्डर बनाया गया है जिससे हर बच्चे का जन्मदिवस मनाया जा सके। केंद्र में खेल सामग्री एवं शिक्षण उपकरणों की भी समुचित व्यवस्था है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती प्यारी ध्रुव और सहायिका के सहयोग से यह केंद्र जिले के अन्य केंद्रों के लिए प्रेरणास्त्रोत बन गया है, जहां नन्हें बच्चे सीखने की उत्सुकता और सक्रिय भागीदारी के साथ हर गतिविधि में रुचि ले रहे हैं।

# 'अर्पण'' एक आस आपकी अमानत आपके पास

## एसएसपी बेमेतरा रामकृष्ण साहू ने ''अर्पण'' एक आस आपकी अमानत आपके पास अभियान के तहत मोबाईल को उनके मालिको को किया गया सुपुर्द

- गुम हुए 90 मोबाइल किए गए परिजनों के सुपुर्द
- अपने मोबाइल वापस प्राप्त कर परिजनों के चेहरे पर लौट आई खुशी



**बेमेतरा/मूक पत्रिका**

जिले के थाना/चौकी क्षेत्रों में गुम हुए मोबाईलों को ''अर्पण एक आस आपकी अमानत आपके पास'' अभियान के तहत, पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज राम गोपाल गर्ग (भा.पु.से.) एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू (भा पु से) के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती ज्योति सिंह, साइबर नोडल एवं एसडीओपी बेरला विनय कुमार, एसडीओपी बेमेतरा मनोज तिर्की, डीएसपी राजेश कुमार झा के मार्गदर्शन में में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत खोए हुए मोबाइलों की पतासाजी एवं बरामदगी हेतु ष्टश्वढ्ढक्र (Central Equipment Identity Register) पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों एवं गुम मोबाईल का विश्लेषण कर कार्रवाई की गई।

इस अभियान के अंतर्गत ष्टश्वढ्ढक्र पोर्टल के 60 मोबाईल एवं गुम मोबाईल रिपोर्ट के 30 मोबाईल इस प्रकार कुल 90 मोबाइल फोन विभिन्न स्थानों से रिकवर किए गए, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 1350000/- अक्षरी ( तेरह लाख पचास हजार रूपये ) आंकी गई है। बरामद किए गए मोबाइल फोनों को सत्यापन उपरांत विधिवत रूप से संबंधित प्रार्थियों को सुपुर्द किया गया।

मोबाईल वितरण कार्यक्रम के दौरान प्रार्थियों के चेहरे पर खुशी झलकती दिखी। प्रार्थियों ने प्रसन्नता और संतोष के साथ अपने मोबाईल प्राप्त किए और बेमेतरा पुलिस के इस प्रयास का सराहना की। बेमेतरा पुलिस द्वारा की गई इस त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई से आम नागरिकों में भरोसा और विश्वास और मजबूत हुआ है।

इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय ने बताया कि नागरिक अपने खोए या चोरी हुए मोबाइल की सूचना तत्काल नजदीकी थाना, साइबर सेल या ष्टश्वढ्ढक्र पोर्टल (222.ष्द्गद्बह्.द्द श1.द्बठ्ठ) पर दर्ज करें, जिससे मोबाइल पता साजी कर जल्द से जल्द रिकवर किया जा सके।

मोबाईल स्वामियों ने बताया कि मोबाईल गुम होने के बाद अपने मोबाइल को पाने की उम्मीद छोड़ दिए थे, ऐसे में अर्पण एक आस आपकी अमानत आपके पास अभियान के तहत मोबाईल को पाकर वे काफी खुश है, उनके चेहरे पर खुशी साफतौर पर देखी जा सकती थी, मोबाईल स्वामियों द्वारा गुम हुए मोबाईल को पुनः पाकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बेमेतरा एवं पुलिस विभाग के प्रति आभार व्यक्त कर धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

मोबाइल वितरण के दौरान रक्षित निरीक्षक प्रवीण खलखो एवं अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।

उक्त अभियान कार्यवाही मोबाईल बरामदगी में उप निरीक्षक मयंक मिश्रा प्रभारी सायबर सेल, प्र.आर. रविन्द्र तिवारी, प्र.आर. मोहित चेलक, लोकेश सिंह, आर. विनोद सिंह, आर. पीला राम साहू, आर. जयकिशन साहू, आर. नुरेश वर्मा, मोती जायसवाल, आर. संजय पाटिल, आर. रेखन साहू की सराहनीय भुमिका रही है।

# किसानों को समय पर हो रहा बीज-खाद वितरण

- खरीफमें खेती बनी आसान, डीएपी के विकल्प और नैनो खाद से किसानों को मिला संबल

**मुंगेली/मूक पत्रिका**

कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार कृषि विभाग द्वारा किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज और उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जा रही है, जिससे इस खरीफसीजन में बेहतर फसल की उम्मीद जताई जा रही है। खरीफ वर्ष 2025 के लिए जिले को 14 हजार 855 क्विंटल बीज वितरण का लक्ष्य प्राप्त हुआ था, जिसके विरुद्ध 17 हजार 377 क्विंटल बीज का भंडारण करते हुए समस्त सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को पूरी मात्रा में वितरण कर दिया गया है। इसी प्रकार, रासायनिक खाद हेतु 60 हजार 620 टन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके विरुद्ध 45 हजार 145 टन भंडारित कर 37 हजार 535 टन खाद का वितरण किया जा चुका है।

**डीएपी की कमी पर विकल्प तैयार, नैनो खादों का बढ़ावा-** कृषि विभाग के अनुसार, डीएपी की आपूर्ति में कमी आने की स्थिति में एनपीके, एसएसपी और यूरिया जैसे उर्वरकों को विकल्प के रूप में तैयार रखा गया है। इनमें एनपीके को डीएपी का सबसे उपयुक्त विकल्प माना गया है। जिले में आधुनिक कृषि को बढ़ावा देने हेतु नैनो यूरिया (500 मि.ली.) की 06 हजार 497 बोतलों का भंडारण कर 03 हजार 207 नग और नैनो डीएपी की 03 हजार 114 बोतलों में से 01 हजार 85 बोतलों का वितरण किया जा चुका है। नैनो डीएपी एक नवीनतम तकनीक आधारित उर्वरक है, जो पारंपरिक डीएपी के बराबर पोषण प्रदान करता है, परंतु मिट्टी की गुणवत्ता को नुकसान नहीं पहुंचाता।

**जागरूकता और निरीक्षण अभियान तेज-** जिले की 66 सेवा सहकारी समितियों और निजी विक्रय केन्द्रों में नैनो डीएपी और नैनो यूरिया का भंडारण किया गया है। किसानों को इनके प्रयोग, लाभ और सावधानियों की जानकारी पोस्टर, बैनर और ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों के माध्यम से दी जा रही है। कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले में बीज और उर्वरक विक्रय केन्द्रों की नियमित रूप से जांच की जा रही है।

# रायपुर सेंट्रल जेल में कांग्रेसी नेता पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला, हालत नाज़ुक

- हमलावरों ने धमकी दी, तुझे तो मारेंगे हीज्और के के श्रीवास्तव को भी जान से मार देंगे
- जेल सुरक्षा व्यवस्था पर लगे प्रश्नचिन्ह

**रायपुर /मूक पत्रिका**

रायपुर सेंट्रल जेल की सुरक्षा व्यवस्था को भेदकर हमलावरों ने विचाराधीन बंदियों पर संघातिक हमला कर एक को लहूलुहान कर मरणासन्न हालत मे पहुंचा दिया । वहीं दूसरे ने बैरक के अंदर भागकर अपनी जान बचाई।

जेल प्रशासन सूत्रों के अनुसार बीते गुरूवार को रायपुर उत्तर के युवक कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष आशीष शिंदे पर सेंट्रल जेल के अंदर ब्लेड और कटर से जानलेवा हमला हुआ है।जिससे आशीष के चेहरे ,गले व सीने सहित कई हिस्सों में गहरी चोटें आई हैं। हमले के वक्त के के श्रीवास्तव ने बैरक के अंदर घुसकर अपनी जान बचाई।हमलावरों का टारगेट के के भी थे। शिंदे पर ताबड़तोड़ किये गये हमसे से उनका काफी खून बह चुका था। जेल प्रशासन ने गंभीर रूप से घायल आशीष को गुरुवार रात डॉ. अंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया है । डॉक्टरों के अनुसार उनके गले और चेहरे पर बहुत गहरे घाव हैं और अत्यधिक खून



बहने के कारण उन्हें ऑब्ज़रवेशन में रखा गया है।

प्रत्यक्षदर्शी अन्य बंदियों के अनुसार हमले के वक्त हमलावर चिल्ला -चिल्लाकर कह रहे थे ꖦतुझे तो मारेंगे हीज और के.के. श्रीवास्तव को भी जान से मार देंगे!ꖦ

जेल सूत्रों के मुताबिक, यह हमला उस वक्त हुआ जब के.के. श्रीवास्तव और आशीष शिंदे बैरक में लौट रहे थे। के.के. श्रीवास्तव किसी तरह बैरक में घुस गए, लेकिन जैसे ही आशीष पीछे से अंदर घुसने वाला था, हमलावरों ने अचानक ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमलावर बंदियों के नाम क्रमशः महेश रात्रे और जामवंत हैं । दोनों आदतन अपराधी पहले से ही जेल में बंद थे और आपसी रंजिश के चलते इस हमले को अंजाम दिया है ।

ज्ञात हो घायल कांग्रेसी नेता आशीष शिंदे और के.के. श्रीवास्तव एक ही केस में विचाराधीन बंदी हैं। पिछले कुछ दिनों से इन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल मे रखा गया है।

ज्ञात हो के.के. श्रीवास्तव पर करोड़ों की ठगी का आरोप लगा है। पुलिस मामले की जाँच कर रही हैं , जिसमे आशिष शिंदे को उनकी सहायता करने और भगाने व छिपाने के आरोप पर गिरफ्तार किया गया है । दोनों को एक-दूसरे का बेहद करीबी माना जाता है।

जेल के अंदर हुए सुनियोजित हथियार युक्त प्राणघातक हमले ने रायपुर सेंट्रल जेल पर सवालिया निशान उठाया है।क्या अब जेल भी सुरक्षित नहीं रहीं या आर्गनाइज्ड क्राइम की पाठशाला / कार्यशाला जेल ही हैं ? लगातार हो रही हिंसा, कैदियों और जेल कर्मियों पर हो रहे हमले इस ओर इशारा कर रहे हैं कि जेल में सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है ।

क्या अगला निशाना कौन?

# प्रेरणा की मिसाल बनीं ड्रोन दीदी गोदावरी साहू

- राज्यपाल डेका ने किया सम्मानित, दी 10 हजार रूपए की प्रोत्साहन राशि

**मुंगेली/मूक पत्रिका**

छत्तीसगढ़ की महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने की दिशा में एक नई पहचान बना चुकी मुंगेली जिले के नगर पंचायत सरगांव की ड्रोन दीदी गोदावरी साहू को राजभवन में राज्यपाल रमेन डेका ने स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने उन्हें 10 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि भी भेंट की और उनके कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वे ग्रामीण महिलाओं के लिए सच्ची प्रेरणा हैं। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना भी उपस्थित थे।

गोदावरी साहू ने नमो ड्रोन दीदी के रूप में पारंपरिक खेती से हटकर आधुनिक तकनीकों को अपनाया और ड्रोन के माध्यम से किसानों के खेतों में नैनो यूरिया, डीएपी खाद और कीटनाशकों का छिड़काव करना शुरू किया। इससे न केवल फसलों की पैदावार बेहतर हुई, बल्कि समय और श्रम की भी बचत हुई। राज्यपाल ने कहा कि गोदावरी साहू की यह यात्रा बताती है कि अगर संकल्प और नवाचार हो तो



ग्रामीण महिलाएं भी आत्मनिर्भर बन सकती हैं और दूसरों को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा दे सकती हैं। गोदावरी न सिर्फ अपने जीवन को संवार रही हैं, बल्कि आसपास के किसानों की प्रगति में भी भागीदार बन चुकी हैं।

# चवन नारायण खरे का आकस्मिक निधन

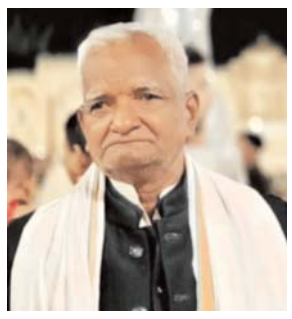



**पामगढ़** – पामगढ़ के खरे समाज के प्रतिष्ठित नागरिक चवन नारायण खरे का आकस्मिक निधन बीते 17 जुलाई 2025 को हो गया। उनका अंतिम संस्कार पामगढ़ के सार्वजनिक मुक्तिधाम में किया गया। जहां सगे संबंधियों सहित नगर के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

वे शासकीय बीडीएम अस्पताल चांपा में कार्यरत डॉक्टर मनीष खरे के पिताजी थे।

प्रेस क्लब चांपा ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है।

# डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने 'सितारे ज़मीन पर' की स्पेशल स्क्रीनिंग में कही खास बच्चों के कल्याण के लिए महाराष्ट्र सरकार के पूरे सहयोग की बात

**जित मुंबई /मूक पत्रिका**

2007 की सुपरहिट तारे ज़मीन पर का स्पिरिचुअल सीक्वल मानी जा रही सितारे ज़मीन पर को रिलीज़ के बाद से ही देशभर से जबरदस्त प्यार मिल रहा है। प्यार, हंसी और खुशी का अच्छा मेल दिखाने वाली इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार कमाई की है। इसी कामयाबी के बीच शिवसेना की प्रमुख प्रवक्ता शाइना एनसी ने फिल्म की एक खास स्क्रीनिंग रखी, जिसमें महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सुपरस्टार आमिर खान भी शामिल हुए।

मुंबई के इनॉक्स थिएटर में शिवसेना प्रवक्ता शाइना एनसी द्वारा रखी गई सितारे ज़मीन पर की खास स्क्रीनिंग को शानदार रिस्पॉन्स मिला। फिल्म ने अपनी दिल छूने वाली कहानी से दर्शकों का दिल जीत लिया है। इस मौके पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सुपरस्टार आमिर खान भी मौजूद रहे। फिल्म को इस इवेंट में सबकी तारीफ मिली, जिससे इसकी कामयाबी में और भी चमक जुड़




गई है। आमिर खान प्रोडक्शंस गर्व के साथ पेश करता है 10 राइजिंग सितारे अरूष दत्ता, गोपी कृष्ण वर्मा, सम्वित देसाई, वेदांत शर्मा, आयुष भंसाली, आशीष पेंडसे, ऋषि शाहानी, ऋषभजैन, नमन मिश्रा और सिमरन मंगेशकर। आर. एस. प्रसन्ना द्वारा निर्देशित, जिन्होंने पहले बैरियर तोड़ने वाली ब्लॉकबस्टर 'शुभ मंगल सावधान' बनाई थी, अब आमिर खान प्रोडक्शंस के साथ 'सितारे जमीन पर' में सबसे बड़े कोलैबरेशन के साथ वापसी कर रहे हैं।

आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी 'सितारे जमीन पर' में आमिर खान और जेनेलिया देशमुख लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म के गाने अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं और म्यूजिक शंकर-एहसान-लॉय ने दिया है। इसका स्क्रीनप्ले दिव्य निधि शर्मा ने लिखा है। इस फिल्म को आमिर खान और अपर्णा पुरोहित ने रवि भागचंदका के साथ प्रोड्यूस किया है। आर. एस. प्रसन्ना के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म 20 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है।

# छत्तीसगढ़ के उज्जवल भविष्य की साझीदार बनीं कल्पना योगेश तिवारी

## अंजोर विज़न 2047 कार्यक्रम में की प्रभावशाली भागीदारी

**बेमेतरा/ देवकर/मूक पत्रिका**

छत्तीसगढ़ के विकास की दिशा तय करने वाला ऐतिहासिक दस्तावेज़ ÷अंजोर विज़न 2047÷ राजधानी नवा रायपुर के मेफेयर लेक रिसॉर्ट में आयोजित एक भव्य समारोह में विमोचित किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, नीति आयोग के सदस्य प्रो. रमेश चंद, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, एवं अन्य कैबिनेट मंत्रियों समेत देशभर के नीति निर्धारक, अधिकारी, जनप्रतिनिधि और विशेषज्ञ मौजूद रहे।

इस गरिमामयी आयोजन में बेमेतरा ज़िला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कल्पना योगेश तिवारी ने अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराते हुए छत्तीसगढ़ के उज्जवल भविष्य में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। उन्होंने कार्यक्रम उपरांत प्रदेश के वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी से भेंट कर उन्हें इस महत्वाकांक्षी दस्तावेज़ के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। श्रीमती कल्पना योगेश तिवारी ने इस ऐतिहासिक दस्तावेज़ की सराहना करते हुए कहा ÷अंजोर विज़न 2047 केवल एक दस्तावेज़ नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के सर्वांगीण और समावेशी विकास की आधारशिला है। इसमें ग्रामीण अंचलों, महिला सशक्तिकरण, युवाओं की भागीदारी और सामाजिक न्याय की मजबूत झलक देखने को मिलती है।÷

कार्यक्रम में बेमेतरा के साथ ही रायपुर ज़िला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल एवं अन्य जनप्रतिनिधि जिलापंचायत अध्यक्ष संजय पांडेय भी उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ अंजोर विज़न 2047 का उद्देश्य राज्य को वर्ष 2047 तक एक विकसित, समावेशी, नवाचारशील और हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर राज्य बनाना है। इसमें स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, महिला-युवा विकास, तकनीकी नवाचार और आधारभूत ढांचे जैसे प्रमुख विषयों पर विशेष फोकस किया गया है। श्रीमती कल्पना योगेश तिवारी की यह उपस्थिति यह दर्शाती है कि बेमेतरा जैसे ज़िलों से भी नेतृत्व अब राज्य के भविष्य की दिशा तय करने में निर्णायक भूमिका निभा रहा है।

## निरीक्षण के अवसर पर जिले के पुलिस अधि./कर्म. की समस्याओं के निराकरण हेतु पुलिस दरबार का आयोजन किया गया

# पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर रेंज द्वारा पुलिस लाइन जांजगीर, पुलिस अधीक्षक कार्यालय का वार्षिक निरीक्षण उपरांत जिले के सड़क सुरक्षा मितानों का सम्मेलन कार्यक्रम में हुए शामिल

**जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका**

पुलिस दरबार में उपस्थित पुलिस अधि/कर्म. को बेहतर पुलिसिंग करने के लिए निर्देशित करते हुए प्रोत्साहित किया गया।

थाना में आने वाले पीडितों एवं शिकायतकर्ताओं की समस्याओं का उचित निराकरण करने एवं उनसे अच्छा व्यवहार करने हेतु निर्देश दिया गया।

थाना/चैकी प्रभारियों को अपराध पर अंकुश लगाने के दृष्टि से जुआ/सट्टा खिलाने एवं अवैध शराब बिक्री करने वालों के विरूद्ध अधिक से अधिक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया।

थाना चांपा क्षेत्र में मिशन सिक्योर सिटी के तहत जन सहयोग से सीसीटीवी कैमरा लगाया गया जिसका भी उद्घाटन किया गया और सहयोग करने वाले गणमान्य नागरिको को प्रसस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित। जिले के सड़क सुरक्षा मितानों का भी सम्मेलन कार्यक्रम के साथ प्राथमिक उपचार कराने के संबंध में प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर रेंज बिलासपुर के द्वारा जिला जांजगीर-चापा का वार्षिक निरीक्षण किया गया। जिसमें सर्वप्रथम पुलिस महानिरीक्षक के द्वारा रक्षित केंद्र में परेड की सलामी ली गई। तत्पश्चात् परेड का निरीक्षण किये। परेड निरीक्षण में पुलिस महानिरीक्षक महोदय द्वारा प्रत्येक अधि/कर्म. के टर्नआउट का निरीक्षण एवं टोलीवार परेड कराया गया, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले को नगद पुरस्कार से पुरस्कृत भी किया गया।

**पुलिस दरबार कार्यक्रम का आयोजन** – परेड समाप्ति उपरान्त रक्षित केन्द्र जांजगीर में जिले के पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण हेतु पुलिस दरबार का आयोजन किया गया, जिसमें पुलिस महानिरीक्षक द्वारा अधिकारियो/कर्मचारियों से रूबरू हुए एवं उनकी समरूयाओं के निराकरण करने का आश्वासन दिये साथ ही थाना/चैकी में पदस्थ अधि/कर्म को थाना में आने वाले पीड़ितों एवं शिकायतकर्ताओं की समस्याओं का उचित निराकरण एवं अच्छा व्यवहार करने हेतु निर्देशित किया गया।

**वाहन शाखा, आर्म्स स्टोर शाखा का निरीक्षण** – पुलिस महानिरीक्षक द्वारा पुलिस सम्मेलन के पश्चात् रक्षित केन्द्र के समस्त शाखाओं का निरीक्षण किया गया, जिसमें वाहन शाखा एवं सभी वाहनों तथा दस्तावेजों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। स्टोर शाखा का निरीक्षण कर उपब्ध समाग्रियो का सही तरिके से रख रखाव करने एवं उसके सही समय पर वितरण करने हेतु निर्देशित किया गया। इसी प्रकार आर्म्स शाखा का भी निरीक्षण कर हथियारों को सुरक्षित रखने तथा नियमित रूप से साफसफाई करने के निर्देश दिये गयें।

**पुलिस अधीक्षक कार्यालय का निरीक्षण** – पुलिस महानिरीक्षक द्वारा निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक कार्यालय का भी निरीक्षण किया गया जिसमें कार्यालय के समस्त शाखाओं का निरीक्षण कर शाखाओं के कार्यों की जानकारी ली, जिसमें कार्यालय में संचारित किये जा रहे पुलिस अधि/कर्म. की सेवा पुस्तिका की जांच कर आवश्यक प्रविष्टिओं को पूर्ण करने के निर्देश दिये, साथ ही अनुकम्पा नियुक्ति, लंबित पेंशन प्रकरणों, विभागीय भविष्य निधि, जिले में चल रहे निर्माण कायों, बजट की स्थिति, न्यायालय संबंधी प्रकरणों, निलंबित अधि/कर्म, तथा उनके अपील अवकाश निराकरण आदि के संबंध में जानकारी ली तथा थाना चैकी में पदस्थ कर्मचारियों से प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही करने तथा अनावश्यक लंबित नहीं रखने के निर्देश दिये गये

**जिले के सड़क सुरक्षा मितानो का सम्मेलन कार्यक्रम** – जिले के सड़क सुरक्षा मितानो का आनंदमधाम रिसार्ट अमरताल अकलतरा में सम्मेलन का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें सड़क सुरक्षा मितानों को दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को प्राथमिक उपचार के लिए जिला अस्पताल जांजगीर के चिकित्सकों के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। इसके बाद पुलिस महानिरीक्षक महोदय द्वारा सड़क सुरक्षा मितानो को बताया कि ''राहवीर योजना'' एक स्वैच्छिक नागरिक सहायता कार्यक्रम है। इसमें कोई भी आम व्यक्ति जो दुर्घटना के बाद घायल को सुरक्षित नजदीकी अस्पताल तक पहुंचाता है, उसे 25 हजार रूपए तक की प्रोत्साहन राशि दी जाती है। योजना का यह भी उद्देश्य है कि ऐसे नागरिकों को किसी तरह की कानूनी कर्रवाही या पूछताछ का सामना न करना पड़े।

निरीक्षण कार्यक्रम दौरान पुलिस अधीक्षक जांजगीर विजय कुमार पाण्डेय अति. पुलिस अधीक्षक जांजगीर उमेश कुमार कश्यप, अति. पुलिस अधीक्षक यातायात उदयन बेहार, डीएसपी अजाक जितेन्द्र खुंटे, एस डी ओ पी चाम्पा यदुमणि सिदार, डीएसपी (मुख्यालय) विजय पैकरा, एसडीओपी जांजगीर प्रदीप कुमार सोरी, डीएसपी श्रीमती सत्यकला रामटेके, रक्षित निरीक्षक प्रदीप कुमार जोशी तथा जिले के थाना/चैकी प्रभारीगण उपस्थित रहे।

# छत्तीसगढ़ कलमकार मंच की काव्य-गोष्ठी में 4 पुस्तकों का विमोचन सम्पन्न




**बिलासपुर/मूक पत्रिका**

बीते 13 जुलाई 2025 को कानन पेंडारी जूलॉजिकल पार्क बिलासपुर में राष्ट्रीय सेवा रत्न सम्मान एवं राष्ट्रीय प्रतिष्ठा पुरस्कार प्राप्त समिति- छत्तीसगढ़ कलमकार मंच मस्तूरी के तत्वावधान में पुस्तक विमोचन एवं काव्य-गोष्ठी का सुव्यवस्थित एवं सफल आयोजन सम्पन्न हुआ। सर्वप्रथम कलमकारों की टीम द्वारा कानन पेंडारी जंगल सफारी का भ्रमण किया गया।

प्राकृतिक सुषमा से परिपूर्ण कानन में सेड के नीचे जहाँ पर्याप्त संख्या में कुर्सियाँ लगी हुई थीं, वहाँ पर काव्य-गोष्ठी, पुस्तक विमोचन और सम्मान समारोह का कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम के उद्घोषक की कमान सम्हालते हुए नवागढ़-बेमेतरा से पधारे विख्यात गायक- कवि जुगेश बंजारे धीरज द्वारा सर्वप्रथम बिलासपुर, रायपुर, बेमेतरा, मुंगेली इत्यादि जिलों से पधारे हुए कलमकारों का पुष्प माला पहनाकर सम्मान कराया गया। तत्पश्चात सभी कलमकारों एवं दर्शकगणों को ससम्मान भारतीय संविधान की प्रस्तावना का वाचन कराया गया। इसके पश्चात करतल ध्वनि के बीच चार पुस्तकों का विमोचन किया गया। सर्वप्रथम डॉ. किशन टण्डन क्रान्ति द्वारा सम्पादित एवं सुरजीत द्वारा संकलित पुस्तक- ÷शब्द-संसार÷ राष्ट्रीय साझा काव्य संग्रह का विमोचन हुआ। इस पुस्तक में 48 कलमकारों के जीवन परिचय एवं उनकी श्रेष्ठ रचनाओं का संकलन हैं। तत्पश्चात डॉ. किशन की 61वीं कृति- ÷बस्तर की ओर÷ यात्रा-संस्मरण का विमोचन सम्पन्न हुआ, जो 209 पृष्ठ की पुस्तक है। इसके बाद उनकी 62वीं कृति- ÷पगडण्डी÷ काव्य-संग्रह 155 पृष्ठ और 63वीं कृति- ÷सत् श्वेत सतनाम÷ का लोकार्पण सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम को गति देते हुए छत्तीसगढ़ कलमकार मंच के संस्थापक-अध्यक्ष डॉ. किशन टण्डन क्रान्ति ने उपस्थित कलमकारों का अभिनन्दन करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्यों पर सारगर्भित प्रकाश डाला। उन्होंने साझा संकलन में शामिल कलमकारों को बधाई देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ कलमकार मंच के तत्वावधान में आज चार पुस्तकों - शब्द-संसार, बस्तर की ओर, पगडण्डी तथा सत् श्वेत सतनाम का विमोचन सम्पन्न हुआ है। इसे मिलाकर मंच के बेनर तले विमोचित पुस्तकों की संख्या 58 हो गई है, जो किसी भी साहित्यिक समिति द्वारा तीन वर्ष के अन्दर विमोचित पुस्तकों के मामले में एक नया कीर्तिमान है। इसके अलावा 48 साहित्यकारों को ÷साहित्य शब्दांजलि सम्मान 2025÷ का सम्मानपत्र एवं मेडल प्रदान किये जाएंगे। इसे मिलाकर छत्तीसगढ़ कलमकार मंच द्वारा सम्मानित होने वाले कलमकारों की संख्या 1114 हो जाएगी। यह हमारे लिए अत्यन्त गौरव का विषय है।

इसके पश्चात उपस्थित कवियों द्वारा अपनी मनभावन रचनाओं की प्रस्तुति दी गई। मंच तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा। कानन पेंडारी के भ्रमण में आए लोग राह से गुजरते समय काव्य पाठ के दौरान वहाँ रुककर आनन्द लेते रहे। बारी-बारी से काव्य पाठ पूर्ण होने पर साहित्यकारों को मेडल पहनाकर सम्मानपत्र एवं पुस्तकें प्रदान की गईं।

कार्यक्रम के दौरान बिलासपुर, रायपुर, बेमेतरा, बलौदाबाजार, कोरबा, जांजगीर सहित कुल 7 जिलों के साहित्यकार उपस्थित रहे। इनमें संरक्षक डॉ. गोवर्धन मार्शल, उपाध्यक्ष जुगेश बंजारे धीरज, डॉ. गुलाबचंद कुसुम, कार्तिक पुराण घृतलहरे, राजेन्द्र कश्यप, डॉ. प्यारेलाल आदिले, श्रीमती कृष्णा मानसी, श्रीमती लक्ष्मी डहरिया, सुश्री श्वेता डहरिया, श्रीमती सुरजा खाण्डे 'तनया', सचिव नवीन कुमार कुर्रे, प्रचार सचिव मणिशंकर दिवाकर 'गदगद', संयुक्त सचिव सुरजीत क्रान्ति, चतुर सिंह चंचल, गणेश महन्त नवलपुरिहा, रमेश कुमार रसिय्यार, पण्डित कुँवर दास डहरिया, विनोद जांगड़े, अश्वनी पात्रे, हिराऊ जांगड़े, इत्यादि साहित्यकार शामिल हैं। कार्यक्रम का सफल एवं प्रभावी संचालन जुगेश बंजारे धीरज द्वारा किया गया। अन्त में आभार प्रदर्शन पश्चात कार्यक्रम समापन की घोषणा की गई।

# गुरु खुशवंत साहेब की पहल से आरंग को मिला 21 करोड़ 22 लाख 20 हजार रुपए का विकास उपहार

- **भानसोज-बरछा-मालीडीह -खौली मार्ग का सड़क चौड़ीकरण,मजबूतीकरण पुल पुलिया निर्माण कार्य से मार्गों को मिलेगा नया जीवन, धन्यवाद गुरु साहेब**

**मूक पत्रिका/आरंग/नया रायपुर/रायपुर** छत्तीसगढ़ के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं उपमुख्यमंत्री व लोक निर्माण मंत्री अरुण साव और वित्त मंत्री ओपी चौधरी के नेतृत्व में प्रदेश के सर्वांगीण विकास के मार्ग को आगे बढ़ाते हुए आरंग विधानसभा क्षेत्र को एक महत्वपूर्ण स्वीकृति प्राप्त हुई है।

लोक निर्माण विभाग, मंत्रालय (नया रायपुर) द्वारा दिनांक 17 जुलाई 2025 को जारी प्रशासकीय आदेश के अनुसार, आरंग विधानसभा अंतर्गत भानसोज-बरछा-मालीडीह -खौली मार्ग का सड़क चौड़ीकरण,मजबूतीकरण पुल पुलिया निर्माण कार्य के लिए ?21,22,20,000 (इक्कीस करोड़ बाइस लाख बीस हजार रुपये) की स्वीकृति दी गई है।यह स्वीकृति वर्ष 2024-25 के बजट में शामिल कार्यों के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग संभाग रायपुर द्वारा प्राप्त हुई है।इस मार्ग की लंबाई लगभग 09 किमी होगी। आरंग विधायक एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष गुरु खुशवंत साहेब ने इसे जनता की जीत और प्रदेश सरकार की दूरदृष्टि बताया है। उन्होंने कहा:ङ्कहमने संकल्प लिया है कि आरंग क्षेत्र की प्रत्येक सड़क को मजबूत और सुगम बनाया जाएगा। यह स्वीकृति मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी एवं उप मुख्यमंत्री अरुण साव ,वित्त मंत्री ओपी चौधरी जी की विकासपरक सोच और जनहितैषी दृष्टिकोण का परिणाम है, जिनके प्रति मैं हृदय से आभार प्रकट करता हूं।

गुरु साहेब जी ने यह भी कहा कि इन मार्गों के सुधार से ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क मार्गों के जुड़ाव से कृषि परिवहन और आवागमन में क्रांतिकारी बदलाव आएगा, जिससे क्षेत्र की आर्थिक गति को भी बल मिलेगा। गुरु खुशवंत साहेब के (अजा प्राधिकरण) पीए सबेरा शर्मा ने जानकारी दी कि स्वीकृत कार्यों की निविदा प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ की जाएगी और समयबद्ध निर्माण सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि जनता को जल्द से जल्द इसका लाभ मिल सके।

# बालिकाओं को आत्मरक्षा और सिलाई का प्रशिक्षण

- **'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' बना महिला सशक्तिकरण की मिसाल**



**सुरजपुर/मूक पत्रिका**

किशोरी बालिकाओं को आत्मरक्षा और सिलाई का प्रशिक्षण महिला सशक्तिकरण का मिसाल बन रहा है। महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से बेटियों को आत्मरक्षा कौशल के साथ-साथ आर्थिक स्वावलंबन का प्रशिक्षण देकर उनके सशक्त भविष्य की ओर अग्रसर किया जा रहा है।

राज्य सरकार मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में किशोरी बालिकाओं और महिलाओं के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत बालिकाओं एवं महिलाओं को सशक्त, आत्मनिर्भर और सुरक्षित बनाने के लिए इस दिशा में राज्य भर में व्यापक प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बेमेतरा जिले में विभाग के बेरला परियोजना में किशोरी बालिकाओं को आत्मरक्षा और बेमेतरा (ग्रामीण) परियोजना के अंतर्गत सिलाई का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

शासकीय कन्या शाला बेरला एवं शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल कुसमी में बालिकाओं को एक माह का आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इससे अब तक 1050 से अधिक बालिकाएं लाभान्वित हो चुकी हैं। दी वॉर काई मार्शल आर्ट्स एंड सेल्फ डिफेंस एकेडमी के अनुभवी मास्टर ट्रेनर भानु प्रताप साहू द्वारा किकबॉक्सिंग, कराते, पंच, ब्लॉक, फिजिकल फिटनेस एवं आत्मरक्षा के व्यावहारिक गुर सिखाए जा रहे हैं। इससे बालिकाओं में आत्मविश्वास, आत्म अनुशासन के साथ सकारात्मक सोच का विकास हो रहा है।

'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' योजना के तहत बेमेतरा (ग्रामीण) परियोजना के ग्राम बीजाभाट कर्मा भवन में निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है। एक माह के इस प्रशिक्षण में 30 किशोरी बालिकाएं एवं महिलाएं भाग ले रही हैं। इसका संचालन मास्टर ट्रेनर श्रीमती योगेश्वरी निर्मलकर द्वारा किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान बालिकाओं को नोनी सुरक्षा योजना, मातृ वंदन योजना, सक्षम योजना एवं महिला ऋण योजनाओं की जानकारी दी गई। सक्षम योजना के अंतर्गत पात्र महिलाओं को 40 हजार रुपए से 2 लाख रुपए तक का ऋण 3 प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज दर पर उपलब्ध कराया जा रहा है।

# ऑल इंडिया संपादक संघ ने रचा नया इतिहासः 10 राज्यों में एक साथ नियुक्त किए गए प्रदेशाध्यक्ष, जल्द बनेगा अंतरराष्ट्रीय संगठन



**मूक पत्रिका/ नई दिल्ली -**:देशभर के पत्रकारों और संपादकों के अधिकारों और संगठनात्मक मजबूती के लिए कार्य कर रहे ऑल इंडिया संपादक संघ ने आज एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए एक साथ 10 राज्यों में प्रदेशाध्यक्षों की नियुक्ति की।

संगठन की कोर कमेटी द्वारा जारी नियुक्ति पत्रों के माध्यम से केरल, सिक्किम, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, उड़ीसा और पश्चिम बंगाल के लिए नए प्रदेशाध्यक्षों की घोषणा की गई है। इन प्रदेशाध्यक्षों को यह निर्देश भी दिया गया है कि वे अपने-अपने राज्यों में शीघ्रता से कार्यकारिणी का गठन कर कोर कमेटी को सूचित करें, जिससे संगठन का संचालन और अधिक व्यवस्थित हो सके।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पत्र के माध्यम से यह भी संकेत दिया है कि संगठन की सक्रियता और विस्तार के कारण आने वाले समय में ऑल इंडिया संपादक संघ एक अंतरराष्ट्रीय संगठन के रूप में स्थापित होगा।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी के उपाध्यक्ष विष्णु को सरिया ने बताया कि अब तक देश के 23राज्यों में संगठनात्मक ढांचा तैयार किया जा चुका है, जो संपादकों की के पत्रकारों को भी अपने साथ जोड़ने जा रहा है, जिससे प्रिंट और डिजिटल मीडिया दोनों की संयुक्त ताकत संगठन के साथ जुड़ सके और पत्रकारों को एक मजबूत मंच प्राप्त हो सके। यह उपलब्धि पत्रकारिता जगत के लिए प्रेरणादायी मानी जा रही है, जो यह दर्शाती है कि जब संगठनात्मक इच्छाशक्ति और समर्पण साथ हो, तो किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।ऑल इंडिया संपादक संघ द्वारा नियुक्त सभी नए प्रदेशाध्यक्षों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं भविष्य के कार्यों के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित की गई हैं।

# "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" अभियान के तहत बाल संरक्षण हेतु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित




**मूक पत्रिका/मुंगेली -** कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती संजुला शर्मा के मार्गदर्शन में लोरमी विकासखंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं कन्या पूर्व माध्यमिक शाला खुड़िया में ''बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ'' अभियान के अंतर्गत बाल संरक्षण हेतु विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला बाल संरक्षण अधिकारी अंजुबाला शुक्ला ने बाल संरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों जैसे बाल विवाह, बाल श्रम, बाल शोषण तथा किशोरों के विरुद्ध होने वाले अपराधों पर प्रभावी जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को यह भी बताया कि मानसिक या शारीरिक हिंसा, लैंगिक शोषण, मोबाइल के दुरुपयोग तथा साइबर अपराध से कैसे बचा जाए। इस दौरान चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 की उपयोगिता की भी जानकारी दी गई। इसके साथ ही बच्चों को 12वीं कक्षा तक शिक्षा जारी रखने के साथ ही शाला त्यागी बच्चों को पुनः विद्यालय से जोड़ने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बेटियों को सुरक्षा, शिक्षा और समान अधिकार प्रदान करना रहा।

# भटगांव मंडल अध्यक्ष रमेश कुमार गुप्ता के मुख्य आतिथ्य में शासकीय हाई स्कूल सोनपुर सु में संकुल स्तरीय आयोजित हुआ शाला प्रवेश उत्सव



**मूक पत्रिका/ सुरजपुर -** भटगांव मंडल के ग्राम पंचायत सोनपुर सु स्थित शासकीय हाई स्कूल सोनपुर सु में संकुल स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि भटगांव मंडल अध्यक्ष रमेश कुमार गुप्ता, भाजपा वरिष्ठ नेता जनपद सदस्य प्रतिनिधि महेंद्र सिंह मार्को, की उपस्थिति में मां सरस्वती के छायाचित्र में दिप धुप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत किया गया कार्यक्रम को मंडल अध्यक्ष रमेश कुमार गुप्ता जी ने संबोधित करते हुए समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं छात्र छात्राओं को शाला प्रवेश उत्सव की बधाई व शुभकामनाएं देते हुए कहा आप सभी ने न ए कक्षा में प्रवेश लिए है जिसको हम सभी उत्सव के रूप में मना रहे हैं निश्चित तौर पर यह खुशी का पल हैं अब पढ़ाई के मामले में आप सभी प्राथमिक , माध्यमिक, हाईस्कूल के बच्चे है आप सभी को अच्छे से पढ़ाई ध्यान देने की जरूरत है इस संकुल में बहुत सारे विद्यालय है और स्कूल में अच्छे शिक्षक शिक्षिकाए है और युक्तीकरण के तहत इस संकुल के बहुत सारे शिक्षक अन्य जगहों पर स्थानांतरण हो ग ए है उनका आज साल श्रीफल गुलदस्ता भेंट कर स्वागत सम्मान किया गया साथ ही सभी छात्र छात्राओं को उपस्थित जनप्रतिनिधियों के हाथ तिलक मिष्ठान खिलाकर पुस्तक वितरण किया गया साथ ही शासन के निर्देशानुसार एक पेड़ मा के नाम के तहत स्कूल परिसर में पौधा रोपण किया गया कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित मंडल अध्यक्ष रमेश कुमार गुप्ता, भाजपा वरिष्ठ नेता जनपद पंचायत सदस्य प्रतिनिधि महेंद्र सिंह मार्को, शिवनाथ पैकरा, मंडल उपाध्यक्ष अहिबरन मानिकपुरी, सरपंच छोटेलाल पैकरा, देवनारायण,सरबर सिंह, संकुल प्रभारी राजेश मिश्रा,कुवर सर,राय सर, विद्यालय के प्राचार्य रामसिंह पैकरा, वरिष्ठ व्याख्याता अनुपम कुशवाहा, शिक्षिका आरती सिंह, अलका टोप्पो, अमृता सिंह, प्रियंका यादव, धर्मपाल पैकरा, अंजुलता, पुष्पा जयसवाल, रूपनारायण पैकरा,अनुपम मिंज, ललित राजवाड़े, अरूण जायसवाल,डिगेश्वर, घनश्याम,आशा पैकरा, कृष्णा राठिया, रामसिंह, संजय मिश्रा, प्रतिक जायसवाल, तबस्सुम अंसारी,सहित सभी छात्र छात्राएं उपस्थित थे वहीं कार्यक्रम का संचालन रायसर द्वारा किया गया।

# गुरु खुशवंत साहेब पर हुवे हमले की उच्च स्तरीय जांच करने सतनामी समाज ने मुख्यमंत्री के नाम मुंगेली में कलेक्टर एस पी को ज्ञापन सौंपा शीघ्र कार्यवाही नहीं होता है तो समाज उग्र आंदोलन करने बाध्य होगा जिसकी संपूर्ण जवाबदारी शासन प्रशासन की होगी




**मूक पत्रिका/मुंगेली -** गुरु सुखवंत साहेब विधायक आरंग एवं उपाध्यक्ष अनुज जाति विकास प्राधिकरण छत्तीसगढ़ शासन तथा प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारतीय सतनाम सी जो राष्ट्रीय स्तर का सबसे बड़ा संगठन है जिस संगठन का विस्तार करने विगत दिनांक 12,7.2025 जिला बेमेतरा अंतर्गत तहसील नवागढ़ आए हुए थे संगठन का विस्तार होने उपरांत अपने गतव्य के ओर जा रहे थे जिला बेमेतरा बाईपास ग्राम मोइन भाटा के आसपास कुछ असामाजिक तत्वों के द्वारा षडयंत्र पूर्वक गाड़ी में पत्थर मार कर जान से मारने की कोशिश किया गया इस घटना की पता चलती समाज में आक्रोश का महान माहौल बन चुका है समाज के आदेशक निदेशक प्रेरणा स्रोत धर्म गुरु राजा गुरु बाल बाल दास साहेब भंडारपुरी राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय सतनाम सेना अध्यक्ष गिरोधपुरी मेला विकास समिति एवं सतनाम धर्म महासभा के मुख्य अपने पुत्र गुरु सुखवंत साहेब की घटना को सुनते ही दिनांक 13,7.2025 को समय लगभग दोपहर 1:00 बजे घटना स्टार की निरीक्षण करने जिला भारतीय सतनाम सी जिला महंत एवं विभिन्न संगठन के समाज प्रमुख तथा जनप्रतिनिधि गण गुरु के साथ निरीक्षण किया गया जिसमें प्रशासनिक व्यवस्था की घोर लापरवाही के कारण या घटना घटित हुई है जिसका सूक्ष्म जांच कर दोषियों के ऊपर उचित कार्यवाही को लेकर पुलिस अधीक्षक जिला बेमेतरा को दो दिन भीतर दोषियों को गिरफ्तार करने कही गई साथ ही प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से बैठक कर घटना के बारे की से जांच करने की विस्तृत चर्चा करने की बात कही गई किंतु अभी तक आरोपियों के ऊपर किसी भी प्रकार का कोई कार्यवाही या जांच नहीं किया गया जिससे पूरे छत्तीसगढ़ अपितु जहां-जहां सतनामी समाज के लोग निवासरत हैं वहां जाकर उसका महल बना हुआ है यदि हमारी युक्त मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं होता है तो समाज उग्र आंदोलन करने बाध्य होगा जिसकी संपूर्ण जवाबदारी शासन प्रशासन की होगी।

# नएचरएसीएसीबी की सातवीं वर्षगांठ पर रायपुर में ऐतिहासिक आयोजन, देशभर से प्रतिनिधियों ने दिखाई एकजुटता

**रायपुर /मूक पत्रिका**

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के वृंदावन हॉल में 'नेशनल ह्यूमन राइट्स एंटी क्राइम एंड एंटी करप्शन ब्यूरो (नएचरएसीएसीबी)' ने अपनी स्थापना के सातवें वर्ष के उपलक्ष्य में ÷राष्ट्रीय संवाद ङ्क 2025÷ का भव्य आयोजन किया। यह कार्यक्रम न केवल संगठन के लिए एक मील का पत्थर साबित हुआ, बल्कि देशभर के जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारियों के लिए प्रेरणा और दिशा-निर्देश का एक सशक्त मंच भी बना। इस आयोजन ने न सिर्फ संगठन की उपलब्धियों को रेखांकित किया, बल्कि भविष्य की रणनीतियों और सामाजिक बदलाव के लिए एक नया रोडमैप भी प्रस्तुत किया।

**मुख्य अतिथियों की गरिमामय उपस्थिति और प्रेरक उद्बोधन-** कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के मुख्यमंत्री के निज सचिव तुलसी कौशिक, छत्तीसगढ़ अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा, भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ के प्रदेश प्रवक्ता अमित साहू, भिलाई की लोकप्रिय विधायक, और दैनिक भास्कर के वरिष्ठ पत्रकार जॉन उपस्थित रहे। इन गणमान्य व्यक्तियों ने नएचरएसीएसीबी के कार्यों की मुक्तकंठ से प्रशंसा की और इसे देश के सामाजिक और प्रशासनिक ढांचे में एक अनुकरणीय योगदान बताया।- तुलसी कौशिक ने अपने संबोधन में कहा, ÷नएचरएसीएसीबी शासन के साथ टकराव की राह नहीं चुनता, बल्कि सहभागिता और समन्वय की संस्कृति को बढ़ावा देता है। यह संगठन जनता और प्रशासन के बीच एक सेतु का कार्य कर रहा है। ऐसे संगठनों को सरकार का पूर्ण समर्थन और प्रोत्साहन मिलना चाहिए।÷ उनकी यह टिप्पणी संगठन के सहयोगात्मक दृष्टिकोण को रेखांकित करती है, जो शासन और जनता के बीच संवाद को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

अमरजीत छाबड़ा ने अपने वक्तव्य में संगठन की सामाजिक जवाबदेही को सराहते हुए कहा, ÷नएचरएसीएसीबी जनता के हक और हकीकत के बीच की खाई को पाटने का काम कर रहा है। यह संगठन न केवल समस्याओं को उजागर करता है, बल्कि उनके समाधान के लिए ठोस कदम भी उठाता है।÷ वहीं अमित साहू ने इसे ÷राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रनीति के लिए समर्पित÷ एक अनुकरणीय प्रयास करार दिया। उन्होंने कहा कि यह संगठन सामाजिक न्याय और जवाबदेही के लिए एक मिसाल बन चुका है।



**नएचरएसीएसीबी: एक ज़मीनी क्रांति का प्रतीक-** कार्यक्रम के मुख्य उद्बोधन में संगठन के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहित गुप्ता ने नएचरएसीएसीबी को एक औपचारिक संगठन से कहीं अधिक बताते हुए इसे एक ज़मीनी क्रांति का नाम दिया। उन्होंने कहा, ÷हमारा संगठन जनता और शासन के बीच की ईमानदार आवाज़ है। हम सरकार की योजनाओं के साथ खड़े हैं, लेकिन जनता की ज़िम्मेदारी के साथ भी अडिग हैं।÷ गुप्ता ने संगठन के तीन मुख्य स्तंभों–जन-जागरूकता, न्याय, और नीतिगत जवाबदेही–पर जोर देते हुए कहा कि नएचरएसीएसीबी का लक्ष्य समाज में सकारात्मक बदलाव लाना है।

उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि संगठन का उद्देश्य केवल शिकायतें दर्ज करना नहीं, बल्कि प्रत्येक शिकायत को समाधान तक ले जाना है। ÷हमारा मिशन है कि कोई भी पीड़ित व्यक्ति न्याय से वंचित न रहे। इसके लिए हम प्रशासन के साथ मिलकर काम करते हैं, न कि उनके खिलाफ÷ उन्होंने जोड़ा।

**उपलब्धियों का लेखा-जोखा और भविष्य की रणनीति-** कार्यक्रम में राष्ट्रीय संयुक्त सचिव दिलीप तिवारी, राष्ट्रीय उपसचिव हेमंत बिलगी, और राष्ट्रीय प्रभारी (शिकायत निवारण प्रकोष्ठ) घासीदास भारद्वाज ने संगठन की पिछले सात वर्षों की उपलब्धियों का विस्तृत ब्योरा प्रस्तुत किया। भारद्वाज ने बताया कि शिकायत निवारण प्रकोष्ठ ने न केवल शिकायतों को दर्ज किया, बल्कि प्रत्येक मामले में प्रशासन के साथ संवाद, लिखित कार्रवाई, प्रत्यक्ष सुनवाई, और केस फॉलोअप जैसे कई स्तरों पर कार्य किया। उन्होंने इसे संगठन की न्यायिक प्रतिबद्धता का केंद्रबिंदु बताया।

**संजीव कुमार ने 2025ङ्क26 की कार्ययोजना-**2025-26 की कार्ययोजना को साझा किया, जिसमें प्रत्येक जिला प्रभारी को प्रति माह 5 प्रशासनिक अधिकारियों से संपर्क करने और राज्य प्रतिनिधियों द्वारा इसकी निगरानी करने की रणनीति शामिल है। उन्होंने संगठन के विस्तार और प्रभाव को और मजबूत करने के लिए राष्ट्रव्यापी सदस्यता अभियान की भी घोषणा की।

**प्रेरणा और पुरस्कार: भविष्य की योजनाएं-** नएचरएसीएसीबी के प्रतिनिधि सविओ डीकोस्टा ने कार्यकर्ताओं को प्रेरित करते हुए कहा कि यह संगठन न केवल उन्हें जोड़ता है, बल्कि एक मिशन और दिशा भी प्रदान करता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को सामाजिक बदलाव के लिए सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया। दूसरी ओर, राकेश जोशी ने आगामी रूड्डदठुद्बद्धद्धष्दठुष्द ,2ड्डुह्लस्रह्य 2025 की घोषणा की, जो 9 दिसंबर 2025 को आयोजित होगा। इस पुरस्कार समारोह में देशभर से 80 ऐसे व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने समाज में वास्तविक बदलाव लाने में योगदान दिया है।

**राष्ट्रीय आंदोलन के रूप में *नएचरएसीएसीबी-** कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान और सामूहिक संकल्प के साथ हुआ। इस आयोजन ने स्पष्ट किया कि नएचरएसीएसीबी अब केवल एक संगठन नहीं, बल्कि एक उत्तरदायित्वपूर्ण राष्ट्रीय आंदोलन है, जो न्याय, जवाबदेही, और जनसेवा को नए आयाम दे रहा है। संगठन की यह पहल न केवल सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा दे रही है, बल्कि शासन और जनता के बीच विश्वास का एक नया सेतु भी बना रही है।

**विश्लेषण: नएचरएसीएसीबी का सामाजिक और प्रशासनिक महत्व-** 'राष्ट्रीय संवाद ङ्क 2025' का आयोजन न केवल नएचरएसीएसीबी की सात साल की यात्रा का उत्सव था, बल्कि यह संगठन के बढ़ते प्रभाव और सामाजिक बदलाव में इसकी भूमिका को भी रेखांकित करता है। संगठन का सह ठुद्धश्ठ श्द्ध ढ्ठुस्रद्बड्ड 1ह्य. छ्वश्ह्यद्गश्चद्ध ञ्चद्धश्द्बड्डह्य (1976) के सिद्धांत पर आधारित दृष्टिकोण, जो शासन के साथ सहयोग और जनता के हितों को प्राथमिकता देता है, इसे एक अनूठा मंच बनाता है। यह आयोजन इस बात का प्रमाण है कि नएचरएसीएसीबी न केवल समस्याओं को उठाता है, बल्कि उनके समाधान के लिए सक्रिय रूप से प्रशासन के साथ मिलकर काम करता है।

# प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के संबंध में हुई समीक्षा बैठक,योजना का षत प्रतिषत लाभ दिलाने के लिए ग्रामों में शिविर लगाने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

**दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका**

बीते शुक्रवार को जिला कार्यालय के सभा कक्ष में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से संबंधित समीक्षा बैठक का आयोजन कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत अध्यक्षता में किया गया था। बैठक में लीड बैंक अधिकारी शिवराम बघेल, कृषि विभाग के अधिकारी सूरज पंसारीजिला सहकारी नोडल सीएल यादव, डिस्ट्रिक मैनेजर एचडीएफसी ए. रविशंकर, सभी बैंक शाखाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में केन्द्र एवं राज्य शासन द्वारा संचालित प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अब तक जिले में किए गए पंजीकृत किसानों की अद्यतन प्रगति, की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि योजना के तहत जिले के सभी किसान जिसका बी-1 और खसरा में नाम है उनका पंजीयन कराना अनिवार्य है, और इस कार्य में प्रगति लाने के लिए संबंधित विभागों को किसानों से संपर्क कर एवं ग्रामों में कैंप लगाकर लक्ष्य को पूरा करें। उन्होंने पिछले वर्ष की तुलना में अब तक किये गए पंजीयन को असंतोषप्रद बताते हुए कहा कि इसके लिए सभी बैंक और जिला सहकारी तथा कृषि विभाग आपसी समन्वय बनाकर अपेक्षित प्रगति लाए। शासन द्वारा इसके लिए निर्धारित समय अवधि दी गई है। अतः इसमें किसी भी प्रकार का विलंब नहीं किया जाना चाहिए। इस संबंध में आगामी सप्ताह में पुनः समीक्षा की जावेगी। उन्होंने यह भी कहा कि एग्रीस्टैक फार्मर आईडी के तहत पंजीकृत सभी किसान को इसका लाभ दिया जाना अनिवार्य किया गया है। इस पोर्टल के जरिये किसानों को केन्द्र और राज्य के सभी योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। बैठक में जानकारी दी गई कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अधिसूचित क्षेत्रों में अधिसूचित फसल जैसे उड़द, मूंग, मूंगफली, कोदो, कुटकी, मक्का, असिंचित धान, अरहर, रागी, सोयाबीन उगाने वाले सभी किसान आवरित होगें। इसके लिए 31 जुलाई तक का सीमा निर्धारण किया गया है। इसके लिए कृषकों को नवीनतम आधार कार्ड कापी, भूमि प्रमाण पत्र, बैंक पासबुक, फसल बुआई प्रमाण पत्र, मोबाईल नम्बर, जैसे अन्य दस्तावेज की आवश्यकता होगी। इसके लिए किसानों से अनुरोध किया गया है कि अपने आधार कार्ड चालू खरीफ वर्ष के लिए दिनांक 31 जुलाई से पूर्व बैंक में अपडेट करवा ले। फसल बीमा पोर्टल पर बिना आधार प्रमाणीकरण के बीमा मान्य नहीं होगा। जिला में इस वर्ष योजना के तहत 12 हजार किसानों का लक्ष्य निर्धारण किया गया है। विगत वर्ष योजना के तहत 9 हजार 3 सौ से ज्यादा कृषक बीमित हुए थे।

# करोड़ों की धोखाधड़ी करने वाला आरोपी अलीम खान गिरफ्तार

**निवेश पर दोगुना रकम लौटाने का दिया था झांसा**

**कांकेर/मूक पत्रिका**

एक महिला और उसके परिवार के साथ करोड़ों की धोखाधड़ी करने के मामले में मुख्य आरोपी अलीम खान को कांकेर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपी ने एक कंपनी में निवेश कर रकम दोगुनी करने का झांसा देकर पीड़ित परिवार से लगभग एक करोड़ रुपये की ठगी की थी। अपर्णा रामटेके, निवासी ठेलकाबोड़, आरईएस कॉलोनी, कांकेर, ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई कि वर्ष 2018 से आरोपी अलीम खान, निवासी संजय नगर, उनके पिता के क्लीनिक में इलाज के सिलसिले में आता-जाता था। जान-पहचान बढ़ने के बाद उसने उनके पिता को कोलकाता की एक फर्जी कंपनी में निवेश कर रकम को दोगुना करने का प्रस्ताव दिया। पहले दो लाख रुपये नकद लेने के बाद, आरोपी ने बहाना बनाया कि पुरानी कंपनी डूब गई है और वह अब नई कंपनी से जुड़ गया है, जो विश्वासपूर्वक निवेश की रकम लौटाएगी। इसके बाद वर्ष 2019 से लेकर 2024 तक, आरोपी ने पीड़ित परिवार से फोनपे, नगद और बैंक ट्रांसफर के ज़रिए कई बार में करीब 1 करोड़ रुपये ले लिए, लेकिन अब तक कोई भी रकम वापस नहीं की।जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी के कहने पर पीड़िता और उसके पिता ने 23 लाख रुपये आरोपी के सहयोगी डीलक्स मरकाम के बैंक खाते में ट्रांसफर किए थे। यह रकम भी ऑनलाइन और नकद माध्यमों से दी गई थी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आई. के. एलिसेला के निर्देशन में आरोपी की सघन तलाश की जा रही थी। आरोपी घटना के बाद से फरार चल रहा था। एक गोपनीय सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने संजय नगर स्थित उसके निवास पर दबिश देकर आरोपी अलीम खान (उम्र 49 वर्ष) को 18 जुलाई 2025 को गिरफ्तार किया। आरोपी को गिरफ्तारी का कारण बताते हुए माननीय न्यायालय में पेश किया गया।

# जिला परियोजना लाईवलीहुड कॉलेज दन्तेवाड़ा में जिला स्तरीय "कौशल तिहार-2025" का होगा आयोजन

**दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका**

कार्यालय जिला कौषल विकास प्राधिकरण से प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 21, 22 एवं 23 जुलाई 2025 को जिला परियोजना लाईवलीहुड कॉलेज दन्तेवाड़ा में जिला स्तरीय ''कौशल तिहार-2025'' का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना एवं प्रधानमंत्री कौशल विकास योजनांतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24, 2024-25 में प्रशिक्षण प्राप्त एवं वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रशिक्षणरत युवाओं के मध्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जावेगा। कौशल तिहार-2025 के अंतर्गत ऑटोमोटिव, ब्रिक लेयिंग, इलेक्ट्रिकल इंस्टॉलेशन, प्लम्बिंग, फील्ड तकनीशियन इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे 10 ट्रेड्स में प्रतियोगिता आयोजित कर विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जावेगा। जिला स्तर पर विजेता प्रतिभागियों को राज्य स्तरीय कौशल तिहार-2025 में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त होगा। प्रतियोगिता के लिए युवा 2 श्रेणी वर्ग 1 के अन्तर्गत 22 वर्ष से कम आयु वर्ग एवं वर्ग 2 के तहत 22 वर्ष से 25 वर्ष आयु वर्ग ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

# सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर हुआ प्रशासन, बस्तर सांसद की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

**सड़क दुर्घटनाओं को रोकने जनजागरूकता बेहद जरूरी - सांसद महेश कश्यप**

**बेमेतरा/मूक पत्रिका**

जिले में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण और सड़क सुरक्षा को लेकर जनजागरूकता के उद्देश्य से शुक्रवार को जिला कार्यालय में सांसद सदस्य सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए बस्तर सांसद महेश कश्यप ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए समन्वित प्रयास किए जाएं तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली मौतों में कमी लाने के लिए आम लोगों को जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है। वाहन चालकों को नियमों का पालन करने, लाइसेंस बनवाने और सुरक्षित ड्राइविंग हेतु प्रेरित किया जाए। सांसद ने बीते एक वर्ष में हुई सड़क दुर्घटनाओं के कारणों की समीक्षा कर स्थायी समाधान निकालने की दिशा में काम करने की बात कही।

बैठक में कलेक्टर संबित मिश्रा, डीएफओ रंगानाथा रामाकृष्णा वाय, सीईओ जिला पंचायत हेमंत रमेश नंदनवार, एडिशनल एसपी चन्द्रकांत गवर्ना, जिला परिवहन अधिकारी के.एल. महौर, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता सहित सड़क सुरक्षा समिति के सदस्यगण एवं वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।बैठक में दुर्घटना संभावित स्थलों की पहचान, यातायात संकेतक लगाने, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के उपयोग की अनिवार्यता सुनिश्चित करने तथा स्कूली बच्चों को यातायात शिक्षा देने जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई। प्रशासन के समन्वित प्रयास और जनता की सहभागिता से ही सड़क सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।

# नगर के एक निजी होटल में ठहरे युवक ने की आत्महत्या जांच में जुटी पुलिस

**कांकेर/मूक पत्रिका**

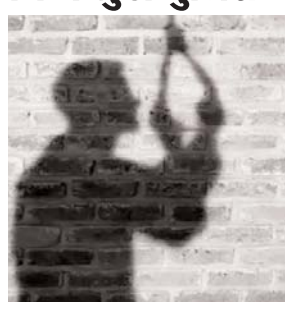

शहर के एक निजी होटल में ठहरे एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है और फिलहाल आत्महत्या के पीछे के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। युवक ने होटल के कमरे में ही फांसी लगाई, जिसकी जानकारी होटल स्टाफ द्वारा सुबह दी गई, जब वह काफी देर तक कमरे से बाहर नहीं निकला।घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर कमरे के भीतर प्रवेश किया। वहां युवक का शव पंखे पर लटका मिला, जिसे कब्जे में लेकर पंचनामा और पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जा रही है।पुलिस ने बताया कि युवक बीते दिन ही होटल में ठहरा था, और जब अगले दिन सुबह तक कमरे से बाहर नहीं आया, तब स्टाफ ने दरवाजा खटखटाया। कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर पुलिस को सूचना दी गई।पुलिस अब युवक की पहचान की पुष्टि और मृत्यु के कारणों की तह तक जाने में जुटी है। साथ ही होटल रजिस्टर, सीसीटीवी फुटेज, और स्टाफ से पूछताछ के माध्यम से जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है। मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद स्थिति और स्पष्ट होगी

# छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए सुनहरा अवसर अग्निवीर वायुसेना भर्ती हेतु ऑनलाइन आवेदन 11 जुलाई से प्रारंभ

**बेमेतरा/मूक पत्रिका**

भारतीय वायुसेना द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के केवल अविवाहित महिला एवं पुरुष उम्मीदवारों के लिए अग्निवीर वायु सैनिक पद हेतु भर्ती की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इच्छुक अभ्यर्थी 11 जुलाई 2025 से 31 जुलाई 2025 तक वायुसेना की आधिकारिक वेबसाइट https://agnipathvayu.cdac.in के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। इस भर्ती के अंतर्गत ऑनलाइन लिखित परीक्षा 25 सितंबर 2025 को आयोजित की जाएगी। आवेदन करने के लिए उम्मीदवार की शैक्षणिक योग्यता मान्यता प्राप्त केंद्रीय या राज्य शिक्षा बोर्ड/संस्था से गणित, भौतिकी एवं अंग्रेजी विषयों सहित 50त्न अंकों के साथ 12वीं पास या इंजीनियरिंग डिप्लोमा (तीन वर्षीय) 50त्न अंकों एवं अंग्रेजी में 50त्न अंक सहित उत्तीर्ण होना आवश्यक है। अन्य संकाय के उम्मीदवार भी 50त्न अंकों एवं अंग्रेजी में 50त्न अंक सहित 12वीं उत्तीर्ण होने पर पात्र होंगे। आयु सीमा के अनुसार उम्मीदवार का जन्म 02 जुलाई 2005 से 02 जनवरी 2009 के बीच होना चाहिए। शारीरिक मानदंडों में पुरुष एवं महिला दोनों की न्यूनतम ऊंचाई 152 सेमी, पुरुषों के लिए सीना न्यूनतम 77 सेमी (फुलाकर 82 सेमी), वजन उम्र और ऊंचाई के अनुसार, सामान्य श्रवण क्षमता, उत्तम दृष्टि क्षमता एवं समग्र रूप से शारीरिक रूप से स्वस्थ होना आवश्यक है। चयन प्रक्रिया में कम्प्यूटर आधारित लिखित परीक्षा, शारीरिक दक्षता परीक्षा तथा चिकित्सा परीक्षण शामिल हैं। चयनित उम्मीदवारों को चार वर्ष की सेवा हेतु नियुक्त किया जाएगा, जिसमें प्रथम वर्ष में 30,000 रुपये वेतन एवं अन्य भत्ते प्रदान किए जाएंगे। सेवा समाप्ति के उपरांत उम्मीदवारों को सेवा निधि पैकेज, जीवन बीमा कवर तथा अग्निवीर कौशल विकास प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा।

# साजा विकासखंड में एग्रीस्टैक के तहत कृषक पंजीयन हेतु शिविर जारी, कांपा समिति शिविर का एसडीएम ने किया निरीक्षण

**बेमेतरा/मूक पत्रिका**

आगामी खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान विक्रय के लिए एग्रीस्टैक पोर्टल में किसान पंजीयन (फार्मर आईडी ) को अनिवार्य कर दिया गया है। इसी कड़ी में साजा विकासखंड के ग्राम स्तर पर 15 जुलाई से 25 जुलाई तक विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें कृषि भूमि स्वामियों का डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के तहत एकीकृत पंजीयन किया जा रहा है। इन शिविरों में क्षेत्रीय ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, पटवारी एवं सेवा सहकारी समितियों के कर्मचारी सक्रिय रूप से किसानों को फार्मर आईडी पंजीयन के लिए प्रेरित कर रहे हैं। आज 18 जुलाई को सेवा सहकारी समिति कांपा में आयोजित शिविर का औचक निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती पिंकी मनहर द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान कई कृषकों ने उन्हें फार्मर आईडी निर्माण में आ रही तकनीकी समस्याओं से अवगत कराया, जिस पर त्वरित समाधान के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। शिविर में खाद वितरण की स्थिति की भी समीक्षा की गई। खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी एवं समिति प्रबंधक को आवश्यक निर्देश दिए गए 7 कांपा समिति अंतर्गत कुल 853 कृषकों का फार्मर आईडी बनाया जाना है, जिनमें से अब तक 673 किसानों का पंजीयन पूर्ण हो चुका है। शिविर में 30 नए किसानों का पंजीयन किया गया। शेष किसानों को मुनियादी के माध्यम से सूचना देकर शिविर में उपस्थित होने हेतु जागरूक किया जा रहा है। इस अवसर पर तहसीलदार थानखम्हरिया मोरध्वज साहू, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी दिनेश धुर्वे, क्षेत्रीय कृषि विस्तार अधिकारी, हल्का पटवारी, समिति प्रबंधक एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रीय कृषक उपस्थित रहे। जिला प्रशासन द्वारा कृषकों से आग्रह किया गया है कि वे निर्धारित तिथि तक शिविर में पहुंचकर फार्मर आईडी अनिवार्य रूप से बनवा लें, जिससे उन्हें समर्थन मूल्य पर धान विक्रय की सुविधा प्राप्त हो सके।

# सामुदायिक स्वच्छता में ग्राम जानो की मिसाल स्वच्छता परिसर से सशक्त हो रही पंचायत की आर्थिक व्यवस्था

**बेमेतरा/मूक पत्रिका**

स्वच्छता के क्षेत्र में ग्रामीण स्तर पर निरंतर प्रयासों के चलते जिले की ग्राम पंचायत जानो एक प्रेरणास्पद उदाहरण बनकर उभरी है। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत ग्राम जानो में निर्मित सामुदायिक स्वच्छता परिसर न केवल स्वच्छता बनाए रखने में सहायक सिद्ध हो रहा है, बल्कि यह पंचायत के लिए एक स्थायी आय का साधन भी बन गया है। गांव में आयोजित होने वाले सार्वजनिक कार्यक्रमों के दौरान सामुदायिक शौचालयों का उपयोग लगातार बढ़ रहा है। इससे गांव की ओडीएफ (खुले में शौच से मुक्ति) स्थिति को बनाए रखने में मदद मिल रही है। उल्लेखनीय है कि ग्राम पंचायत जानो द्वारा सामुदायिक शौचालय परिसर से संलग्न दो दुकानों की नीलामी की गई, जिसमें पहली दुकान से ?4,02,000 तथा दूसरी दुकान से ?3,96,500 की अमानत राशि निर्धारित की गई। दोनों दुकानों से क्रमशः 2-2 लाख की प्रथम किश्त पंचायत में जमा कराई जा चुकी है। इसके अलावा, दोनों दुकानों से ?1,500 प्रति माह की दर से किराया भी पंचायत को प्राप्त हो रहा है, जिससे परिसर के संचालन और रखरखाव का व्यय किया जा रहा है। इस नवाचार से न केवल गांव की स्वच्छता सुनिश्चित हो रही है, बल्कि ग्राम पंचायत की आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में भी एक ठोस कदम उठाया गया है। जिला स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), बेमेतरा की यह पहल अन्य ग्राम पंचायतों के लिए एक अनुकरणीय मॉडल प्रस्तुत करती है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता स्थायित्व एवं आत्मनिर्भरता सुनिश्चित की जा सके।

# 27 जुलाई को आयोजित होगी आबकारी आरक्षक परीक्षा, कलेक्टर ने दिए नकल विहीन परीक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश

**जिले में बनाए गए 20 परीक्षा केंद्र, लगभग 5000 अभ्यर्थी होंगे शामिल, सभी केंद्रों में कड़ी निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था**

**बेमेतरा/मूक पत्रिका**

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल रायपुर (व्यापम) द्वारा आयोजित आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा (एडीए25) का आयोजन 27 जुलाई 2025, रविवार को प्रथम पाली में प्रातः 10:00 बजे से 12:15 बजे तक किया जाएगा। बेमेतरा जिले में इस परीक्षा के लिए कुल 20 परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिनमें लगभग 5000 अभ्यर्थी सम्मिलित होंगे। इस महत्वपूर्ण परीक्षा के सुचारु, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर आज कलेक्टरेट के दिशा सभाकक्ष में कलेक्टर रणबीर शर्मा की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में एसएसपी रामकृष्ण साहू, एडीएम अनिल वाजपेयी, संयुक्त कलेक्टर डॉ. दीप्ति वर्मा, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती पिंकी मनहर सहित पुलिस एवं प्रशासन के अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर रणबीर शर्मा ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की नकल या अनुचित गतिविधि की कोई भी घटना नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परीक्षा केंद्र में सख्त निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, और प्रवेश प्रक्रिया से लेकर परीक्षा समाप्ति तक सभी चरणों पर सतर्क निगरानी रखी जाए।जिला प्रशासन द्वारा परीक्षा के लिए जारी किए गए प्रमुख निर्देश मे परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पूर्व सभी परीक्षार्थियों की हैंडहेल्ड मेटल डिटेक्टर से जांच एवं मैनुअल पैट डाउन (हाथों से तलाशी) प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी। महिला परीक्षार्थियों की फ्रिस्किंग केवल महिला पुलिस कर्मियों द्वारा ही की जाएगी। परीक्षार्थियों को परीक्षा प्रारंभ होने से कम से कम 2.30 घंटे पूर्व परीक्षा केंद्र में उपस्थित होना अनिवार्य है। परीक्षा प्रारंभ होने के 15 मिनट पूर्व, अर्थात 9:45 बजे के बाद, किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। परीक्षार्थी केवल निर्धारित प्रवेश पत्र एवं एक मूल पहचान पत्र (मतदाता परिचय पत्र/ ड्राइविंग लाइसेंस/ पेन कार्ड/ आधार कार्ड) के साथ ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश करेंगे। परीक्षा केंद्र में मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, पर्स, बैग, स्कार्फ, बेल्ट, टोपी, इयरफोन, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट आदि ले जाना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। प्रवेश पत्र का केवल एक तरफ प्रिंट किया गया स्पष्ट प्रिंटआउट ही मान्य होगा। परीक्षा समाप्ति से पहले किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र छोड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यदि इंटरनेट से प्राप्त प्रवेश पत्र' पर फोटो नहीं आता है, तो अभ्यर्थी अपने साथ दो रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो ले कर परीक्षा केन्द्र में जावें। परीक्षार्थी परीक्षा कक्ष में केवल काले या नीले बाल प्वांइट पेन को ही उत्तर अंकित करने हेतु उपयोग में लाये।चयन/प्रवेश के समय प्रवेश पत्र मांगा जाता है, अतः इसे सुरक्षित रखें। व्यापम द्वारा दोबारा प्रवेश पत्र जारी नहीं किया जावेगा। निर्देशों का पालन ना करने पर अभ्यर्थी को परीक्षा देने से वंचित किया जायेगा। परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करने पर कठोर कार्यवाही की जाएगी तथा अभ्यर्थिता समाप्त की जावेगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।